श्रावण शुक्ल पक्ष-14, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 58 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
18 अगस्त 2024 रविवार

आज का मौसम
31 अधिकतम
24 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

भाजपा की नजर झारखंड टाइगर पर, कांग्रेस ने आजाद पर शुरू किया होमवर्क

अब झारखंड में नए सियासी ड्रामे के आसार, पूर्व सीएम सोरेन लापता

रांची/ नई दिल्ली एजेंसी।, एजेंसी।

अब झारखंड में चुनाव से ऐन पहले महाराष्ट्र व मप्र जैसा सियासी ड्रामा होने के आसार बन गये हैं। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और सत्तारूढ जेएमएम नेता चम्पाई सोरेन के भाजपा में शामिल होने की जबर्दस्त अटकलें हैं, इसकी वजह यह है कि चम्पाई सोरेन का मोबाइल फोन बंद है और वे संपर्क में भी नहीं हैं। उधर जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव का बिगुल बजते ही कांग्रेस एक्टिव है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि गांधी परिवार चाहता है कि पूर्व सीएम गुलामनबी आजाद की वापसी हो। इसके लिए सीनियर नेताओं को उनसे बात करने के लिए कहा गया है। आजाद ने अगस्त 2022 में कांग्रेस छोड़ी थी। सोनिया गांधी को भेजे इस्तीफे में उन्होंने लिखा था कि राहुल को उपाध्यक्ष बनाने से कांग्रेस बर्बाद हुई। अब पार्टी चापलूस चलाएंगे।

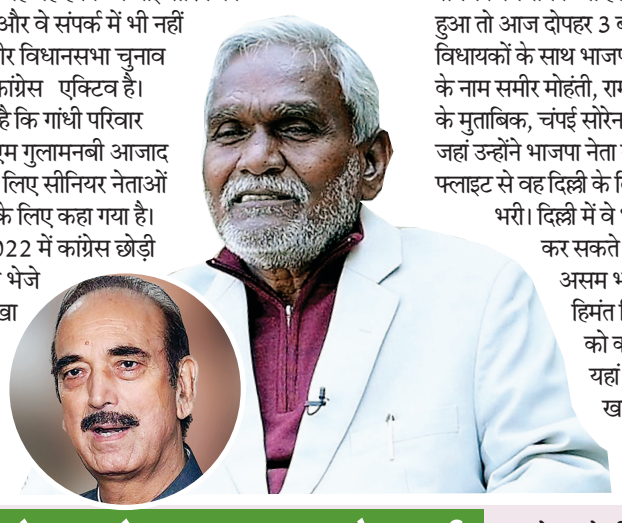

दिल्ली आएंगे या असम जाएंगे चंपई

खबरें हैं कि वे कोलकाता से एयर इंडिया की फ्लाइट से दिल्ली आ रहे हैं और आज भाजपा में शामिल हो सकते हैं। चम्पाई सोरेन के साथ उनके कुछ समर्थक विधायक भी हैं। चर्चा के मुताबिक, सब कुछ योजना के अनुसार हुआ तो आज दोपहर 3 बजे चम्पाई सोरेन अपने समर्थक करीब पांच विधायकों के साथ भाजपा में शामिल हो जाएंगे। उनके समर्थक विधायकों के नाम समीर मोहंती, रामदास सोरेन और लोबिन हेम्ब्रम बताए गए हैं। सूत्रों के मुताबिक, चंपई सोरेन कल रात कोलकाता के एक होटल में ठहरे हुए थे जहां उन्होंने भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी से मुलाकात की। आज सुबह की फ्लाइट से वह दिल्ली के लिए रवाना हुए, उन्होंने निजी स्टाफ के साथ उड़ान भरी। दिल्ली में वे भारतीय जनता पार्टी के नेताओं से भी मुलाकात कर सकते हैं। वहीं यह भी खबरें हैं कि वे कोलकाता से असम भी पहुंच सकते हैं। दरअसल, असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा बीजेपी के झारखंड प्रभारी हैं। चंपई को कोल्हान टाइगर के नाम से जाना जाता है। इनका यहां की 14 सीटों पर असर है। यह सीटें भाजपा के खाते में नहीं आ पाती हैं। यदि सोरेन ने भाजपा का दामन थामा तो झारखंड में सरकार भी अस्थिर हो सकती है।

कश्मीर चुनाव में इंडिया गठबंधन वाले फार्मूले की कोशिशें तेज

नई दिल्ली/श्रीनगर एजेंसी

विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद अब कांग्रेस जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी संग चुनावी गठबंधन बनाने की कोशिश में जुटी है। पार्टी ने कहा- गठबंधन बनाने का उद्देश्य भाजपा को हराना है। इसके लिए समान विचारधारा वाली पार्टियों को साथ आना होगा। खबरों के मुताबिक कांग्रेस महासचिव गुलाम अहमद मीर ने कहा है कि अब कश्मीर के इन दोनों दलों को व्यक्तिगत मुद्दों से ऊपर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इंडिया अलायंस नेशनल लेवल पर बना है। जम्मू-कश्मीर में भी तीनों पार्टियों को मिलकर चुनाव लड़ने की जरूरत है।

आपके सामने हूं...बोलकर गायब हैं चंपई

इससे पहले बीती रात जब चंपई सोरेन से बीजेपी में शामिल होने की अटकलों के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने मुस्कुराते हुए सिर्फ इतना कहा, आप लोग ऐसा सवाल कर रहे हैं पर, इस पर क्या बोलें, हम तो आपके सामने हैं। इतना बोलकर वे गाड़ी में बैठ गए। ज्ञात हो कि हेमंत सोरेन के जेल जाने पर उन्हें सीएम बनाया गया था और जब हेमंत जेल से लौटे तो चंपाई को पद से इस्तीफा देना पड़ा था। तभी से ही उनके नाराज होने की चर्चा उठती रही है।

राखी पर भद्रा, मुहुर्त दोपहर 1.30 के बाद

कल सोमवार, 19 अगस्त को रक्षाबंधन पर राखी बांधने का मुहूर्त दोपहर 1.30 बजे के बाद ही शुरू होगा। इसकी वजह यह है कि दोपहर 1.30 बजे तक भद्रा रहेगी। भद्रा के अलावा मुहूर्त के लिए चौघड़िया, लग्न या किसी भी तरह का विशेष काल नहीं देखा जाता है। भद्रा खत्म होने के बाद से सूर्यास्त तक बहनें कभी भी अपने भाइयों को राखी बांध सकती हैं।

एयर इंडिया की महिला क्रू मेंबर से बर्बरता, पीटा

नई दिल्ली। एअर इंडिया की महिला क्रू मेंबर के साथ लंदन के एक बड़े होटल में बदसलूकी और मारपीट का मामला सामने आया है। एयरलाइन ने कहा कि वह लोकल पुलिस से संपर्क बनाए हुए है और मामले की जांच चल रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह घटना लंदन के हीथ्रो स्थित रेडिसन रेड होटल में हुई है। यहां एयरलाइन स्टाफ ने पहले ही होटल में सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी। महिला क्रू मेंबर जब अपने कमरे में सो रही थीं, तभी लगभग 1.30 बजे एक अज्ञात व्यक्ति कमरे में घुस आया। जब महिला की आंख खुली तो उसने चिल्लाना शुरू किया। . इस पर हमलावर ने कपड़े के हैंगर से महिला पर हमला बोल दिया और फर्श पर उसे घसीटा। आसपास के कमरों से लोग मदद के लिए आए और हमलावर को पकड़ लिया गया।

राज्यों से हर दो घंटे में मांगी कानून व्यवस्था की रिपोर्ट

नई दिल्ली , एजेंसी।

कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर केस के विरोध में देशभर में डॉक्टरों के प्रोटेस्ट का आज 9वां दिन है तथा मामले की जांच कर रही सीबीआई आज आरोपी संजय का नार्को टेस्ट करने वाली है। इससे पता चल सकता है कि क्राइम सीन पर कौन-कौन था और वारदात को कैसे अंजाम दिया गया। केस को लेकर अस्पताल प्रशासन की भूमिका को लेकर भी जानकारी मिल सकती है। इस बीच, देर रात केंद्र सरकार ने नया आदेश जारी करते हुए कहा- अब सभी राज्यों को हर दो घंटों में कानून-व्यवस्था की जानकारी गृह मंत्रालय कंट्रोल रूम को फैक्स, ई-मेल या वॉट्सऐप के जरिए देना होगी। ज्ञात हो कि कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर का रेप के बाद हत्या की गई थी। 14 अगस्त की देर रात इसी अस्पताल में हिंसा हुई, जिसके बाद डॉक्टरों ने प्रदर्शन तेज किया। मानवअंगों की तस्करी-इस रेप और हत्या के मामले में चौंकाने वाली जानकारी सामने आ रही है। सीबीआई को अब तक की जांच और डॉक्टर के बैचमेट्स के बयानों से पता चला है कि मानव अंगों के अवैध कारोबार से पर्दा उठाने की कोशिशें रोकने के लिए ट्रेनी डॉक्टर को रास्ते से हटाया गया। रेप इसलिए किया गया, ताकि यह आम घटना लगे।

कोलकाता रेपकेस आरोपी का नार्को

भाजपा नेता पर सुरक्षागार्ड ने चलाई गोली

भोपालपटनम। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के भाजपा नेता बिलाल खान को उनकी ही सुरक्षा में तैनात एक सुरक्षाकर्मी ने जान से मारने का प्रयास किया है। यह घटना उनके घर पर हुई, जब जवान ने अपने ही हथियार से बिलाल खान को गोली मारने का प्रयास किया। यहां एक और जवान मौजूद था, जिसने त्वरित कार्रवाई करते हुए बिलाल के घर के दरवाजे बंद कर दिया और हमलावर जवान से उसका हथियार छीन लिया, जिससे बिलाल की जान बच गई। एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें आरोपी जवान नागेश टिंगे, भाजपा नेता को धमकी देते हुए दिखाई दे रहा है। वीडियो में जवान नशे की हालत में दिखाई दे रहा है।

मप्र में कल से स्ट्रांग मानसून सिस्टम हो रहा एक्टिव

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र के सिंगरौली, पन्ना, कटनी और अनूपपुर में आज तेज बारिश का अलर्ट है।जबकि भोपाल में सुबह से कडी धूप खिली है। मालवा-निमाड़ यानी इंदौर-उज्जैन संभाग में मौसम साफ है। ग्वालियर, जबलपुर में गरज-चमक की स्थिति है। मौसम विभाग के अनुसार, कल 19 अगस्त से स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव हो रहा है। मानसून ट्रफ प्रदेश के शिवपुरी, सीधी होकर गुजर रही है। बंगाल की खाड़ी में यह लो प्रेशर एरिया के रूप में बदल गई है। इसका असर सोमवार से प्रदेश में ज्यादा दिखाई देगा। साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम की वजह से भी बारिश का दौर बना रहेगा।

तवा के गेट खुले

नर्मदापुरम जिले के तवा डैम के शनिवार शाम को फिर गेट खोले गए। शाम 7.30 बजे 3 गेट चार-चार फीट ऊंचाई तक खोलकर 20517 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। तवाडैम के कैंचमेंट एरिए पचमड़ी क्षेत्र और सारनी, शाहपुर क्षेत्र में बारिश हो रही है। जिस वजह से तवा डैम में पानी की आवक ज्यादा हो रही।

इंदौर: राजस्व अफसरों पर गोली चलाने वाले का घर सुबह 5 बजे ढहाया

इंदौर, एजेंसी।

बीते दिनों राजस्व अधिकारियों पर अपने गार्डों से गोलियां चलवाने वाले बदमाश का घर प्रशासन ने आज सुबह पांच बजे ढहा दिया। भंवरासला में विगत दिनों अतिक्रमण एवं अवैध कब्जा हटाने गए राजस्व अधिकारियों पर सुरेश पटेल और उसके गार्डों ने गोलियां चला दी थी। इस मामले में कलेक्टर आशीष सिंह ने सुरेश पटेल और तीन अन्य आरोपियों को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत निरूद्ध करने के आदेश जारी किये थे। दरअसल भंवरासला में 14 अगस्त को अरबिंदो अस्पताल की जमीन का कब्जा हटाने गए तहसीलदार सैवाल सिंह, नायब तहसीलदार जितेंद्र वर्मा और पटवारी मयंक चतुर व प्रदीप सिंह चौहान पर कब्जेदार सुरेश पटेल के गार्डों ने गोलियां चला दी थी।

अवकाश सूचना रक्षाबंधन पर्व के चलते कल 19 अगस्त को दोपहर मेट्रो कार्यालय में अवकाश रहेगा

मेट्रो एंकर करीब डेढ़ महीने बाद गृहनगर पहुंचे मुख्यमंत्री यादव

फिर नया प्रशासनिक परिवर्तन, कल से धर्मस्व विभाग का नया ठिकाना उज्जैन

उज्जैन, दोपहर मेट्रो।

राजधानी से उज्जैन की दूरी महज ढाई घंटे की है लेकिन मुख्यमंत्री मोहन यादव को सरकारी व्यस्तताओं के चलते अपने इस गृहक्षेत्र में पहुंचने में इस बार पूरे डेढ महीने लग गये। वे आज उज्जैन में हैं और यहां बाबा महाकाल के दर्शन के बाद वे रक्षाबंधन कार्यक्रम में पहुंचे और महिलाओं से राखी बंधवाई। महिलाओं ने उन्हें 10 फीट की राखी भेंट की। आज रात यादव यहां रात्रिविश्राम कर कल उज्जैन स्मार्ट सिटी लिमिटेड के भवन में स्थापित धर्मस्व विभाग के राज्य कार्यालय का उद्घाटन करेंगे तथा महाकाल की परंपरागत पांचवीं सवारी (श्रावण मास) में सम्मिलित होंगे। दरअसल धर्मस्व विभाग का मुख्यालय अब तक अन्य महकमों की तरह भोपाल में था। हालांकि आबकारी और वाणिज्यिकर विभाग के मुख्यालय भी क्रमश ग्वालियर व इंदौर में हैं। ज्ञात हो सीएम पिछली बार वे 6 जुलाई को नगर निगम की कपिला गोशाला में रखे गोसंवर्धन कार्यक्रम में आए थे। इसके बाद उनके दौरे टलते रहे।

मंदिर और मेलों की दृष्टि से सुविधाजनक होगा प्रयोग

धर्मस्व विभाग का कार्यालय का संचालन कल से विधिवत उज्जैन से होने पर न केवल उज्जैन बल्कि मालवा-निमाड़ अंचल के सभी मंदिरों के लिए सुविधाजनक माना जा रहा है। धर्मस्व विभाग मंदिरों का जीर्णोद्धार, धर्मशाला का निर्माण, पुजारियों की नियुक्ति, पदस्थापन और मानदेय वितरण का कार्य करता है। इसके अलावा तीर्थ-स्थान एवं मेला प्राधिकरण के माध्यम से तीर्थ-स्थलों एवं अतिप्रसिद्ध मेलों की उचित व्यवस्था के लिए अनुदान भी उपलब्ध कराता है। विभाग का सालाना बजट 100 करोड़ रुपये है। बीती 1 जुलाई को मध्यप्रदेश का धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग का मुख्यालय राजधानी भोपाल से उज्जैन स्थानांतरित करने की अधिसूचना जारी हुई थी।

राखी से पहले भोपाल से जाने वाली ट्रेनों और बसों में भारी भीड़

भोपाल। त्योहारों के चलते भारी संख्या में लोग बड़े शहरों से निकलकर अपने अपने घरों की ओर जाते हैं। रक्षाबंधन भी पास आ गया है। ऐसे मौके पर भोपाल से चलने वाली ट्रेनों में भारी भीड़ देखी जा रही है। जिसके चलते क्षमता से कई गुना अधिक टिकट बुक हो रहे हैं। लोगों को कंफर्म टिकट मिलने में दिक्कत हो रही है।

रक्षाबंधन की खरीद के लिए उमड़ी बाजारों में भीड़

आज दिनभर जमकर खरीदारी करने निकले लोग, बाजार गुलजार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रक्षाबंधन का त्योंहार कल धूमधाम से मनाने की तैयारी शहर में तेजी से चल रही है। बाजारों में कल शाम से खास रौनक है और आज भी बाजार में खरीदारों की भीड़ जमकर उमडी है। खासतौर पर राखी की दुकानों, पूजा सामग्री, कपड़े और मिठाई की दुकानों पर लोग उमड़ रहे हैं। इस बार भी राखी कई नये व आकर्षक रूपरंग में दुकानों पर है और बच्चों के लिये खास आकर्षण का केंद्र हैं। राजधानी में न्यूमार्केट,जुमेराती,भेल व बरखेड़ा बाजार समेत गुलमोहर, दस नंबर व छह नंबर मार्केट पर खास रौनकें हैं। भोपाल में सामाजिक संस्था भी राखी के मौके पर कई आयोजन करती हैं। वहीं मंदिरों में भी आयोजन होते हैं।

भोपाल के 10 नंबर मार्केट में रक्षाबंधन की खरीदारी

महिलाओं को कल मुफ्त सफर की सौगात

वहीं राखी के मौके पर प्रशासन ने भी कल यानि सोमवार को 228 सिटी बसों में महिलाओं को मुफ्त सफर की सुविधा का ऐलान किया है। यह मौका महिलाओं के पास सुबह छह से रात नौ बजे तक रहेगा। इस प्रस्ताव को ननि की एमआईसी में मंजूरी मिल चुकी है। इन बसों का संचालन भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड (बीसीएलएल) द्वारा किया जाता है। भोपाल में कुल 25 मार्ग पर 368 बसें दौड़ती हैं। हालांकि इनमें से 140 बसें पिछले एक महीने से बंद हैं)।

विद्यार्थियों ने सैनिकों के लिए ने बनाई राखियां

रक्षाबंधन के अवसर पर देश की रक्षा करने वाले सैनिकों की कलाइयों को सुशोभित करने के लिए राजधानी स्थित सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय की छात्र-छात्राओं ने 251 राखियां (रक्षासूत्र) बनाई हैं।

नरेला परिवार का रक्षाबंधन महोत्सव कल से

भोपाल। इस वर्ष भी नरेला विधानसभा क्षेत्र में विश्व का सबसे बड़ा रक्षाबंधन महोत्सव 19 अगस्त से मनाया जा रहा है। हर वर्ष की तरह क्षेत्र की हजारों बहनें विश्वास कैलाश सारंग को रक्षा सूत्र बांधेंगीं। नरेला क्षेत्र में रक्षाबंधन महोत्सव का यह 16वां वर्ष है। अब नरेला एक परिवार बन गया है। इस महोत्सव में सभी धर्मों, सभी वर्गों की बहनें भाग लेती हैं। पिछले वर्ष 2023 में लगभग 1 लाख 41 हजार 324 बहनों ने रक्षा-सूत्र बांधकर नवीन कीर्तिमान स्थापित किया था।

मंत्री सारंग ने बताया कि महोत्सव इस वर्ष 19 से 29 अगस्त तक मनाया जायेगा। क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में रक्षाबंधन महोत्सव का आयोजन होगा। रक्षाबंधन महोत्सव के दौरान सावन के गीतों का आयोजन होगा तथा बहनों के लिए मेंहदी लगाने की व्यवस्था रहेगी। कुल मिलाकर महोत्सव के दौरान वातावरण ऐसा निर्मित किया जायेगा कि बहनों को अपने मायके का अहसास हो। महोत्सव के पूर्व सभी 17 वार्डों के 338 बूथों में महोत्सव में भाग लेने वाली बहनों का पंजीयन कराया गया है। अभी तक 1 लाख से ज्यादा बहनों का ऑफ लाइन और ऑन लाइन पंजीयन किया जा चुका है।

अब बड़े डेवलपर्स राजधानी के विकास के लिए आगे आए

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के सुनियोजित विकास और शहर की सकारात्मक छवि बनाने के पक्षधर सदस्यों ने सक्रिय योगदान की पहल की है, इसी क्रम में क्रेडाई-भोपाल के प्रेसिडेंट मनोज मीक ने अपनी वर्किंग कमेटी का क्रेडाई चार्टर के अनुसार विस्तार किया है. प्रेसिडेंट मीक ने चार अनुभवी और प्रतिष्ठित मेंबर्स को मनोनीत करते हुए सेज ग्रुप के संजीव अग्रवाल, मल्टी सिटी डेवलपर अमृत होम्स के प्रीतपाल सिंह बिन्द्रा और मशहूर आर्किटेक्ट विपिन चौहान को वाइस प्रेसिडेंट नियुक्त किया है, फॉर्च्यून समूह के अजय मोहगांवकर वर्किंग कमेटी मेंबर होंगे। संगठन में नवीनता के लिए तीन युवा उर्जावान सदस्यों कृष्णा होम्स के मयंक कपूर, श्री डेवलपर्स गोल्डन सिटी की पूर्वी जैन और रौनक सहिता को कार्यकारिणी में मनोनीत किया गया है. इसके अलावा क्रेडाई मध्यप्रदेश के चेयरमैन नितिन अग्रवाल, नेशनल ज्वाइंट सेक्रेटरी प्रणव प्रधान तथा क्रेडाई यूथ विंग के अध्यक्ष ज़वाद भी कार्य समिति के स्वतः सदस्य होंगे।.

विस्तार के बाद क्रेडाई-भोपाल के नए ऑफिस बियरर तथा वर्किंग कमेटी इस प्रकार है। प्रेसिडेंट : मनोज मीक सेक्रेटरी : सुनील गुप्ता, वाइस प्रेसिडेंट अजय शर्मा, समीर सबरवाल, संजीव अग्रवाल, प्रीतपाल सिंह बिन्द्रा, और विपिन चौहान। ट्रेजरार: संजीव सिंह ठाकुर, ज्वाइंट सेक्रेटरी नीरज मेकर डायरेक्टर : अजय मोहगांवकर, विपिन गोयल, नितिन अग्रवाल, प्रणव प्रधान, जयंत भंडारी, दिनेश गोयल, शिवनव प्रधान, नमन अग्रवाल, ज़वाद खान, मयंक कपूर, पूर्वी जैन, रौनक सहिता. नवनियुक्त पदाधिकारी 23 अगस्त को समारोह पूर्वक कार्यभार ग्रहण करेंगे।

उपभोक्ता संगठनों का राष्ट्रीय सम्मेनल संपन्न

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उपभोक्ता समन्वय परिषद का राष्ट्रीय सम्मेलन नरोन्हना प्रशासन अकेडमी में आयोजित किया जिसमे देश भर से प्रतिभागी सम्मिलित हुवे। सम्मेलन का उद्घाटन बीएसएनएल के पूर्व सीएमडी अनुपम श्रीवास्तव ने किया इस अवसर पर भोपाल जिला उपभोक्ता फोरम की अध्यक्ष गिरिबाला सिंग और योगेश दत्त शुक्ला भी उपस्थित थे।

सम्मेलन में 5 तकनीकी सत्र भी थे जिसमे भ्रामक विज्ञापन, टेलीकॉम, बैंकिंग , बीमा ऑनलाइन खरीददारी, एवम उपभोक्ता कानून और न्यायिक निर्णय पर चर्चा हुई ।केन्द्रीय खाद्य एवम उपभोक्ता मामले की सचिव निधि खरे ने दिल्ली से ऑनलाइन अपना व्याख्यान दिया और कहा उपभोक्ता जागरूकता ही उपभोक्ता के अधिकारों का सरंक्षण कर सकती है उन्होंने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के मुख्य प्रावधानों को विस्तार से बताया। परिषद के अध्यक्षा लियाकत अली ने कहा कि परिषद् 22 वर्षो से लगातार उपभोक्ता के अधिकारों के लिए सफलता पूर्वक कार्य कर रही है ।

मिठी में अभिभावक-छात्र ओरिएंटेशन प्रोग्राम

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजित किया गया, जिसमें जिसका उद्देश्य विद्यालय के वातावरण से परिचित कराना तथा बोर्ड परीक्षा में सफलतापूर्वक अकादमी लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायता कराना रहा ।

विद्यालय की शिक्षिका अंजू गोगिया द्वारा पीपीटी प्रजेन्टेशन के माध्यम से विद्यालय के नियम एवं उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम प्राप्त करने के संदर्भ में बताया गया। विद्यार्थियों में अनुशासनात्मक व्यवहार, विद्यालय एवं अध्ययन के प्रति नियमितता एवं शिक्षकों को गंभीरता से सुनना प्रत्येक विद्यार्थी के लिए महत्त्वपूर्ण है। उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम को लेकर चर्चा की गई। बोर्ड परीक्षा में कॉपी मूल्यांकन कार्य की शैली पर भी विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को जानकारी दी गई।

विद्यालय शिक्षिका विंदा गुहे द्वारा इवेलुएशन पैटर्न एवं परीक्षा की जानकारी दी, जिसमें पीरियोडिक टेस्ट प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं प्री-बोर्ड परीक्षा तथा आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा पर प्रकाश डाला गया ।

इस अवसर पर संस्था सचिव घनश्याम बूलचंदानी, कोऑर्डिनेटर, शिक्षकगण, विद्यार्थीगण एवं अभिभावकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में आभार विद्यालय प्राचार्य अजय बहादुर सिंह आभार व्यक्त किया। संचालन शिक्षिका मरियम रईस द्वारा किया गया।

ज्वाला कान्वेंट में राखी बनाओ प्रतियोगिता

हिरदाराम नगर। ज्वाला कान्वेंट स्कूल में रक्षाबंधन के अवसर पर राखी बनाओ प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें बच्चों ने अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। स्कूल के प्राचार्य राज बतरा ने बताया कि रखी बनाओ प्रतियोगिता का उद्देश्य अपने स्वयं से बनी हुई चीजों का वस्तुओं का प्रयोग कर कम खर्चे में त्योहारों को मनाने की सोच डालना है। इस अवसर पर स्कूल की शिक्षिकाओं ने बच्चों को तरह-तरह की राखियां बनाने का प्रशिक्षण भी दिया, विजेता बच्चों को पुरस्कृत किया गया।

अंधत्व रोकथाम और नेत्र सुरक्षा के लिए सेवासदन सम्मानित

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ला ने सेवासदन नेत्र चिकित्सालय को नियंत्रण योग्य अंधत्व की रोकथाम और नेत्र सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान प्रबंधन ट्रस्टी ए.सी. साधवानी, मेडिकल डायरेक्टर डॉ. प्रेरणा उपाध्याय, ट्रस्टी सुरेश आवतरामानी और वरिष्ठ प्रबंधक कुशल धर्मानी ने प्राप्त किया। संत सिद्ध भाऊजी ने सेवासदन को उत्कृष्ट नेत्र सुरक्षा सेवाओं के लिये सम्मानित करने पर प्रसन्नता व्यक्त की है।

साधवानी ने बताया कि सेवा सदन नेत्र अस्पताल बहुत ही जल्द आसाराम बापू चौराहा, एयरपोर्ट रोड, गांधी नगर में निर्माणाधीन नये विशाल और सुसज्जित भवन में स्थानान्तरित हो जायेगा। यह सुविधा प्राप्त होने के बाद और अधिक संख्या में नेत्र रोगियों की सेवा करने का अवसर सुलभ होगा

। साधवानी ने उपमुख्यमंत्री को बताया कि अस्पताल में अपनी स्थापना से लेकर अब तक मध्य भारत अंचल में मोतियाबिंद सहित अन्य नेत्र रोगों के 03 लाख 40 हजार से अधिक ऑपरेशन तथा 34 लाख से अधिक बाह्य नेत्र रोगियों की जांच और उपचार किया गया है, इनमें 2.25 लाख निर्धन नेत्र रोगियों के निःशुल्क ऑपरेशन किये गए हैं, विगत् 28 वर्ष में अस्पताल द्वारा 2,136 दृष्टिबाधित व्यक्तियों के नेत्र प्रत्यारोपण कर उन्हें फिर से नेत्र ज्योति प्रदान करने में सफलता प्राप्त की है।

मेट्रो एंकर

ब्रिज में देरी, बोरवन सड़क, हाथ ठेला की समस्या पर चर्चा की

संतनगर की समस्याओं को विधायक के सामने उठाया

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

पूज्य सिंधी पंचायत संतनगर के प्रतिनिधिमण्डल ने उपनगर की समस्याओं को लेकर विधायक रामेश्वर शर्मा से मुलाकात की। प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व पंचायत उपाध्यक्ष नंद कुमार दादलानी ने किया।

विधायक के सामने बोरवन पार्क रोड़ निर्माण, मुख्य मार्ग पर ठेलों का अतिक्रमण, सडकों पर मवेशियों की मौजूदगी फाटक रोड पर बन रहे ओवर ब्रिज के निर्माण की धीमी गति के मुद्दों का उठाया गया।

शर्मा ने कहा कि बोरवन पार्क की सडक का निर्माण के लिए हमने बजट सेंशन करवा दिया है, परंतु कुछ कानूनी अर्चनों के कारण मार्ग का काम शुरु नहीं हो पा रहा है। राम प्रेमचंदानी मार्ग पुलिस चौकी से लेकर डॉ. किशनानी हास्पिटल के आगे मुख्य मार्ग तक सड़क निर्माण के लिउ बजट सेंशन हुआ है। कानूनी अर्चन दूर होते ही काम शुरु कर दिया जाएगा। बाकी, जिन मार्गों की हालात खराब है बरसात समाप्त होते ही निर्माण कार्य शुरु कर दिया जाएगा।

मुख्य मार्ग पर ठेलों की समस्याओं व आवारा मवेशियों के संबंध में शीघ्र अधिकारियो से चर्चा कर इस समस्या का हल निकाला जाएगा। फाटक रोड के ओवरब्रिज के निर्माण कार्य हमारी ओर से पूरा हो चुका है, रेलवे द्वारा कार्य किया जा रहा है जो दो-तीन माह में पूरा हो जाएगा ओवरब्रिज इसी साल शुरु हो जाएगा।

शर्मा ने पंचायत से कहा कि संत नगर की मुख्य मार्ग पर जो मवेशियों के घूमने एवं बैठे रहते हैं उसका कारण संत नगर के लोगों द्वारा घास व चारा वहीं पर दिया जाना है पंचायत शहर के समाजसेवियों, व्यापारिक संगठनों व गणमान्य नागरिको से बैठक कर इसका एक स्थान निर्धारित करें जहां उन्हे गौ माता को चारा एवं घास देने की सुविधा हो।

प्रतिनिधिमण्डल में संस्कार परिवार के सचिव बसंत चेलानी, पंचायत उपाध्यक्ष जगदीश आसवानी, महासचिव माधू चांदवानी व कोषाध्यक्ष गुलाब जेठानी शामिल थे।

निरंकारी मिशन की शाखाओं में 'मुक्ति पर्व दिवस' मना

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत निरंकारी सत्संग भवन भोपाल, बैरागढ़ सहित जोन 24 ए की सभी ब्रांचों में गुरुवार को 'मुक्ति पर्व दिवस' का आयोजन किया गया, जिसमें सभी श्रद्धालु भक्तों ने बाबा अवतार सिंह, जगत माता बुद्धवंती, निरंकारी राजमाता कुलवंत कौर, माता संविदर हरदेव, प्रधान लाभ सिंह, संतोख सिंह एवं अनन्य भक्तों द्वारा मानव को सत्य ज्ञान की दिव्य ज्योति से अवगत करवाने के लिए श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम का समापन भोपाल में जोनल इंचार्ज महात्मा अशोक जुनेजा एवं बैरागढ़ में संयोजक महात्मा महेश वीधानी की हुजूरी में हुआ। निःसंदेह यह दिन निरंकारी मिशन के प्रत्येक संत को समर्पित है जिन्होंने प्रेम, परोपकार और भाईचारे से भरा एक आदर्श जीवन प्रस्तुत किया।

मप्र के 54 आईएएस अफसरों को केंद्र भेजने की तैयारी, पहले से 41 कर रहे काम

दीपाली रस्तोगी समेत चार आईएएस अफसर को केंद्र में भेजने के बाद 45 हो जाएगी यह संख्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

केंद्र में कोट के अनुसार आईएएस अफसर को भेजने में मध्य प्रदेश की स्थिति भी बेहतर नहीं है। अभी 54 आईएएस अफसर को केंद्र में भेजा जाना है जबकि यह कोटा 99 अफसरो का है। इनमें से 41 अफसर ही केंद्र में सेवाएं दे रहे हैं। राज्य सरकार ने दीपाली रस्तोगी सहित चार आईएएस अफसर को केंद्र में जाने की अनुमति दे दी है लेकिन केंद्र ने अभी तक उनकी प्रतिनियुक्ति जारी नहीं की है। यदि केंद्र इन चार अफसर को बुलाता है तो मध्य प्रदेश से 45 अफसर केंद्र में हो जाएंगे। दीपाली रस्तोगी कैबिनेट मंत्री प्रहलाद पटेल के साथ ज्यादा दिन तक काम नहीं कर पाएंगी। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में प्रमुख सचिव है। राज्य सरकार उन्हें केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर भेजेगी। 3 और आइएएस का केंद्र में जाना तय हो गया है। इनमें श्रीमन शुक्ला, तरुण पिथोड़े और अनुग्रहा पी शामिल हैं। सरकार ने इन चारों को एनओसी दे दी है। केंद्र कभी भी इन अधिकारियों को बुला सकता है।

उल्लेखनीय है कि मप्र कैडर के 99 आइएएस अफसरों को केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर भेजा जा सकता है। इसके तहत राजगढ़ कलेक्टर रहे हर्ष दीक्षित समेत 37 आइएएस पहले से केंद्र में काम कर रहे हैं। हाल ही में केंद्र ने 4 आइएएस अफसरों की प्रतिनियुक्ति मांगी है। इनमें भोपाल संभागायुक्त पवन शर्मा, वित्त सचिव अजीत कुमार, संचालक बजट बक्की कार्तिकेयन और निकुंज श्रीवास्तव शामिल है, प्रतिनियुक्ति पर इनकी सेवाएं केंद्र को सौंपी जानी है। इस तरह 41 आइएएस केंद्र में हो जाएंगे। प्रमुख सचिव दीपाली रस्तोगी, तरुण पिथोड़े, श्रीमन शुक्ला व अनुग्रहा पी के आदेश आने और उन्हें रिलीव करने के बाद यह संख्या 45 हो जाएगी।

प्रत्येक राज्यों से केंद्र आइएएस समेत भारतीय सेवाओं के अफसरों को काम के लिए प्रतिनियुक्ति पर बुलाता है। इसके लिए प्रत्येक राज्यों से भेजे जाने वाले अफसरों का कोटा तय है। एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि कई राज्य अफसर भेजने में आनाकानी करते हैं। मप्र ने भले ही कोटे के अनुरूप अफसर नहीं भेजे हों, फिर भी केंद्र में मप्र कैडर के आइएएस की जो मौजूदा संख्या है, वह दूसरे कई राज्यों से कहीं अधिक है। उन्होंने कहा कि यदि निष्पक्षता से इस व्यवस्था का पालन किया जाए तो केंद्र से लौटकर आने वाले अफसरों के अनुभवों के आधार पर काम करने में राज्यों को फायदे ही होते हैं।

अभी ये आइएएस अफसर हैं केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर

अनुराग जैन, आशीष उपाध्याय, पंकज राग, अल्का उपाध्याय, मनोज गोविल, पंकज अग्रवाल, आशीष श्रीवास्तव, वीएल कांताराव, नीलम शमी राव, दीप्ति गौड़ मुकर्जी, विवेक अग्रवाल, हरि रंजन राव, डॉ. पल्लवी जैन गोविल, नितेश कुमार व्यास, फैज अहमद किदवई, करलिन खोंगवार देशमुख, आकाश त्रिपाठी, राहुल जैन, स्वाति मीणा नाइक, संकेत भोंडवे, शशांक मिश्रा, वी किरण गोपाल, बी विजय दत्ता, आशीष भार्गव, रूही खान, ऋजु बाफना, विशेष गढ़पाले, जेपी आइरिन सिंथिया, ज्ञानेश्वर पाटिल, विकास नरवाल, नंदकुमारम और छवि भारद्वाज केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर है।

प्रदेश में नियम विरुद्ध संचालित होने वाले मदरसों के विरुद्ध होगी सख्त कार्रवाई

स्कूल शिक्षा मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को दिये निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में नियम विरुद्ध संचालित होने वाले मदरसों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जायेगी। इसके लिये स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों को ऐसे सभी मदरसों, जो मध्यप्रदेश मदरसा बोर्ड से मान्यता प्राप्त हैं, का भौतिक सत्यापन तय समय-सीमा में पूरा किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। यह बात स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने बैठक में अधिकारियों से कही। उन्होंने कहा कि पूर्व में कराई गई जाँच में प्रदेश में 56 मदरसे भौतिक सत्यापन में नियम विरुद्ध पाये गये थे। इन मदरसों की मान्यता समाप्त करते हुए इनका अनुदान बंद कर दिया गया है। मंत्री ने कहा किसी भी शैक्षणिक संस्था में पालकों की सहमति के बिना बच्चों को धार्मिक शिक्षा नहीं दी जाये और न ही उन्हें इसके लिये बाध्य किया जाये। प्रदेश में सभी शैक्षणिक संस्थाओं को नई शिक्षा नीति का पालन करना होगा। इसके साथ ही राइट-टू-एजुकेशन का भी पालन करना होगा। जो शैक्षणिक संस्थाएँ नीति के विरुद्ध पाई जायेंगी, उनकी मान्यता समाप्त करने की कार्रवाई सख्ती के साथ की जायेगी।

आयुक्त लोक शिक्षण ने भी जारी किये निर्देश: आयुक्त लोक शिक्षण ने विभागीय अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश जारी किये हैं। निर्देश में कहा गया है कि मध्यप्रदेश मदरसा बोर्ड से मान्यता प्राप्त मदरसों का भौतिक सत्यापन कराया जाये। यदि मदरसे नियम विरुद्ध संचालित पाये जायें, तो उनकी मान्यता समाप्त करते हुए अनुदान बंद किया जाये। निर्देश में यह स्पष्ट किया गया है कि किसी शैक्षणिक संस्था में उपस्थित होने वाले किसी व्यक्ति को ऐसी संस्था में दी जाने वाली किसी धार्मिक शिक्षा में भाग लेने और धार्मिक उपासना में उपस्थित होने के लिये तब तक बाध्य नहीं किया जाये, जब तक कि बच्चों के पालकों ने इसके लिये अपनी सहमति न दे दी हो। इस नीति के विरुद्ध संचालित संस्था पर सख्त कार्रवाई की जाये।

राखी बांधी भोपाल, दोपहर मेट्रो। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को आज सुबह उनके निवास पर महिलाओं ने राखी बांधी। इस मौके पर नाथ ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है, इससे शक्ति मिलती है।

जन सहयोग से धनराशि एकत्र करेगी युंका

भोपाल, दोपहर मेट्रो। प्रदेश में भारी बारिश से आफत से पीड़ित लोगों के राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए भारतीय युवा कांग्रेस के निर्देश पर मप्र युवा कांग्रेस प्रदेश से ब्लाक और पंचायत स्तर पर अभियान चलाकर क्राउड फंड जुटाने का कार्य करेगी, यह बात अध्यक्ष मितेंद्र दर्शन सिंह यादव ने कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कही। उन्होंने बताया कि देश व प्रदेश में भारी बारिश से जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। राहुल गांधी ने बाढ़ प्रभावित लोगों के जान-माल के हुए नकसान की चिंता की है। तभी उन्होंने वायनाड में 40-50 ऐसे घर जो पूरी तरह से गए हैं, उनके पुननिर्माण करवाने की पहल की है। जिसमें एक घर बनाने में लगभग 10 लाख रूपया खर्च होंगे।

पद्म भूषण श्रीएम ने की संस्कृत को राष्ट्रभाषा बनाने की वकालत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पद्म भूषण श्रीएम ने संस्कृत को राष्ट्रभाषा बनाने की वकालत की है इसके पीछे उन्होंने तर्क दिया कि आदि शंकराचार्य ने इसी संस्कृत भाषा के आधार पर सनातन को देश और दुनिया में स्थापित करने का काम किया था। उन्होंने यह बात भारत भवन में चल रही व्याख्यानमाला में कही। यह शंकर न्यास द्वारा एकात्मक पर्व के तहत आयोजित की जा रही है जिसका रविवार को दूसरा दिन है। शाम 6 बजे से भारत भवन में एकात्म संवाद का आयोजन किया जाएगा। इसमें प्रसिद्ध टेलीविजन अभिनेता नितिश भारद्वाज और पद्मभूषण श्रीएम के बीच अद्वैत वेदांत की विभिन्न जिज्ञासाओं को लेकर संवाद किया जाएगा। श्रीएम ने व्याक्यानमाला में कहा कि आदि गुरू शंकराचार्य जब सनातन की अलख जगाने निकले तब उन्होंने संस्कृत में संवाद किया। इस तरह संस्कृत भाषा ने पूरे देश को जोड़ने में मदद की और विश्व भर में सनातन का संदेश दिया।

शक्ति ही अद्वैत वेदांत का आधार

व्याख्यानमाला में पद्मभूषण श्रीएम ने कहा कि अद्वैत का मूल है, ब्रह्म सत्य है, जगत मिथ्या, लेकिन यह हम तब तक नहीं जान सकते, जब तक इसे समझ नहीं लेते। अद्वैत का अर्थ है एक। ब्रह्म अनुभूति का विषय है, जो केवल शक्ति के माध्यम से ही अनुभव किया जा सकता है। शक्ति के अभाव में ब्रह्म की अनुभूति नहीं हो सकती। शक्ति और ब्रह्म अलग नहीं है, बल्कि एक है। हमारा अज्ञान उन्हें अलग देखता है। शक्ति ही अद्वैत वेदांत का आधार है जिसे सौंदर्यलहरी लिखकर स्वयं शंकर ने उल्लेखित किया है।

भोपाल के भारत भवन में शनिवार से शुरू हुई दो दिन शंकर व्याख्यान माला में हिस्सा लेने आए हैं श्रीएम, मुख्यमंत्री से भी मिले, कई विषयों पर की चर्चा

आनंद लहरी, भवानी अष्टक, गौरीश दशकम की प्रस्तुति

शास्त्रीय संगीत की प्रसिद्ध गायिका माधवी मधुकर झा ने आचार्य शंकर के शक्ति स्तोत्रों की संगीतमय प्रस्तुति दी, जिसे सुनकर श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। तबला, सिंथेसाइजर सहित अन्य वाद्य यंत्रों के साथ 40 मिनट तक चली इस प्रस्तुति पर श्रोता भाव विभोर हो गए। इस दौरान आनंद लहरी, भवानी अष्टक, गौरी दशकम, सौंदर्य लहरी, महिषासुर मर्दिनी आदि स्तोत्रों का गायन किया। तबले पर रामेंद्र सोलंकी, सितार पर अनिरूद्ध जोशी, बांसुरी पर वीरेंद्र कोरे, सिंथेसाइजर पर आरिफ लतीफ ने प्रस्तुति दी। एकात्म पर्व के तहत भारत भवन सभागार में शक्ति प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें अद्वेत वेदान्त दर्शन पर आधारित चित्रों का प्रदर्शन किया गया। इसमें कर्नाटक के गंजिफा शैली के प्रसिद्ध चित्रकार रघुपति भट्ट द्वारा बनाए गए 25 चित्रों को सौन्दर्यलहरी के श्लोक और अर्थ सहित प्रदर्शनी में सजाया गया है। इसी प्रकार श्रीयंत्र, वेदांत पर भी अनेक चित्र प्रदर्शित किए गए।

अब अफसर भी पहनेंगे खादी! बढ़ेगा मान, मंत्रालय में खादी बेचने के लिए तलाशी जा रही जगह

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नेताओं की पहचान खादी कुर्ता से होती है। नेताओं ने तो खादी अपना ली, लेकिन अब अफसरों और सरकारी मुलाजिमों को खादी के प्रति रुझान जगाने के प्रयास शुरू हो गए हैं। इसके लिए मंत्रालय परिसर में ही खादी वस्त्रों के विक्रय के लिए स्थान की तलाश हो रही है। अभी मृगनयनी एम्पोरियम का आउटलेट स्थापित है। प्रयास है कि खादी का आउटलेट भी तैयार हो जाए।

खादी ग्रामोद्योग बोर्ड का प्रयास है कि अधिक से अधिक लोग खादी को अपनाएं। माह में कम से कम एक दिन और स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस पर खादी के वस्त्र जरूर पहनें। वहीं बोर्ड कर्मचारियों की सेवा शर्तों में शामिल है कि वे दफ्तर में खादी पहनकर आएं।

बिक्री में 10 फीसदी की छूट: खादी कहीं भी किसी से कमजोर न लगे इसके लिए बोर्ड के प्रयास चल रहे हैं। बोर्ड ने खादी वस्त्रों की बिक्री पर 10 प्रतिशत छूट भी देना शुरू कर दिया है। 12 अगस्त से शुरू हुई छूट 26 अगस्त तक रहेगी। रक्षाबंधन, जन्माष्ठमी जैसे पर्वों को देखकर यह छूट दी गई है। जिससे इन मौकों पर लोग खादी वस्त्रों को खरीदें और पहनें।

रेलवे स्टेशन में भी जगह बनाई: भारत सरकार की एक स्टेशन एक उत्पाद योजना के तहत पश्चिम मध्य रेलवे झोन के बीना, विदिशा, गंजबासौदा, हरदा, भोपाल एवं रानी कमलापति रेलवे स्टेशनों पर कुटीर एवं ग्रामोद्योग उत्पादों का विक्रय किया गया। इनमें खादी वस्त्र भी शामिल हैं।

यह भी जाने: 1648.71 लाख खादी ग्रामोद्योगबोर्ड का बजट, 18 विक्रय केंद्र प्रदेश में खादी बोर्ड के, 14 उत्पादन केंद्र प्रदेश में, 1055.92 लाख की बिक्री एक वर्ष में खादी उत्पादों की।

एकजुट और प्रगतिशील राष्ट्र की दिशा में काम करें: त्रिपाठी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान में स्वतंत्रता दिवस पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। ध्वजारोहण के साथ निदेशक डॉ. सीसी त्रिपाठी ने स्वतंत्रता दिवस पर अपने संबोधन में कहा कि हम मिलकर ऐसा भारत बनाएं जो न केवल हमारे पूर्वजों के सपनों का सम्मान करता है, बल्कि विश्व के लिए एक मिसाल भी कायम करता है। विकसित भारत का मतलब है एक ऐसे भारत का निर्माण जहां हर नागरिक को अपनी क्षमता के अनुसार अवसर मिले, जहां बुनियादी सुविधाओं की कोई कमी न हो, और जहाँ हर क्षेत्र में प्रगति हो। यह हमारा कर्तव्य है कि हम एक अधिक एकजुट और प्रगतिशील राष्ट्र की दिशा में काम करें, और समाज के विकास और कल्याण में अपना योगदान दें। इस अवसर पर वॉलीबॉल एवं बास्केटबॉल ग्राउंड का उदघाटन भी किया गया। संस्थान परिवार के बच्चो ने देशभक्ति गीतों एवं नृत्य की प्रस्तुति दी।

मेट्रो एंकर यू कोट, वी पे फॉर्मूला: बड़े शहरों से लगे स्वास्थ्य केंद्रों के लिए ही आए आवेदन

मनमर्जी का वेतन दे रही सरकार, फिर भी विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं तैयार

भोपाल, दोपहर मेट्रो। दूरस्थ क्षेत्रों में सिविल अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को फर्स्ट रेफरल सेंटर बनाने सरकार ने यू कोट, वी पे फॉर्मूले के तहत विशेषज्ञों की नियुक्ति शुरू की हैं। इसमें भी बड़े शहरों के समीपस्थ केंद्रों के लिए तो डॉक्टर आ रहे हैं, लेकिन दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्रों में विशेषज्ञ डॉक्टर रुचि नहीं दिखा रहे। अभी तक पांच निश्चेतना विशेषज्ञों की नियुक्ति हुई हैं। यह नियुक्तियां इंदौर, धार, नर्मदापुरम, सतना और मुरैना जिले में शहरों के समीपस्थ अस्पतालों में हुई हैं।

42 जिलों में चुने गए दूरस्थ सिविल अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में संविदा नियुक्ति की जानी है। इसके तहत विशेषज्ञों के लिए अधिकतम वेतन 3 लाख रुपए प्रतिमाह तय किया गया है। इसके बावजूद ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के लिए डॉक्टर रुचि नहीं दिखा रहे। अभी इंदौर जिले के सिविल अस्पताल महू, धार में कुक्षी, सतना में अमरपाटन, मुरैना में बामोर में नियुक्ति हुई है। यह विकसित क्षेत्र हैं। केवल नर्मदापुरम जिले में सीएचसी सुखतवा के लिए दूरस्थ क्षेत्र में एक नियुक्ति हुई है। एनएचएम की एमडी प्रियंका दास का कहना है कि नियुक्ति प्रक्रिया जारी है। जल्द सभी स्थानों पर नियुक्तियों का प्रयास है। 6 सी-सेक्शन सर्जरी में मदद करने पर शून्य पीबीआइ, 7 से 10 केस करने पर कुल पीबीआइ का 50 फीसदी और 10 से अधिक सर्जरी कराने पर 80 फीसदी पीबीआइ दी जाएगी। अन्य दो से ज्यादा सर्जरी में मदद करने पर 10 प्रतिशत पीबीआइ और रिस्की केस में मदद करने पर 10 फीसदी पीबीआइ मिलेगी। फॉर्मूले के तहत एनेस्थीसिया में डिग्रीधारी डॉक्टर को 1.25 लाख रुपए और डिप्लोमा वालों को 1.1 लाख प्रति माह फिक्स वेतन दिया जा रहा है। इससे ऊपर का 1.75 लाख रुपए वेतन उन्हें पीबीआइ यानी परफॉर्मेंस बेस्ड इंसेंटिव के तौर पर दिया जाएगा। इस स्कीम के तहत 31 मार्च 2025 तक के लिए ही नियुक्ति दी गई है। शर्तों में संविदा कर्मचारी को उनके पदस्थापना स्थल पर निवास करना अनिवार्य है। नियुक्ति अवधि समाप्ति पर यह नियुक्ति स्वमेव समाप्त हो जाएगी। इसका आदेश अलग से जारी नहीं किया जाएगा। नियुक्ति पत्र में स्पष्ट किया गया है कि यह नियुक्ति पूरी तरह संविदा अनुबंध के आधार पर है। नियमितीकरण का प्रावधान नहीं है। भविष्य में नियमितीकरण की कोई मांग या दावा नहीं किया जाएगा। एक बार पदस्थापना होने के बाद संशोधन या तबादले का भी प्रावधान नहीं है।

दोपहर मेट्रो

प्रवाह

रविवारीय

04 भोपाल, रविवार, 18 अगस्त, 2024 epaper.dopaharmetro.com

क्या 'मृत्यु के निकट अनुभव' वास्तविक हैं

विश्वसनीय व्याख्या के लिए वास्तविक अर्थ जरूरी, प्रेमपूर्ण संगति अहम

■ जॉन मार्टिन फिशर

मृत्यु के निकट अनुभव बताते हैं कि मृत्यु इतनी भयावह नहीं भी हो सकती है, जितनी अमूमन उसे समझा जाता है। मृत्यु दो दुनियाओं के बीच का दरवाजा भी हो सकती है। मुमकिन है कि उस पार कुछ ऐसा इंतजार कर रहा हो, जिसके बारे में हमने अपने सबसे सुंदर ख्वाब में भी न सोचा हो।आखिर मरने के बाद होता क्या है? विभिन्न धर्मों के दर्शन में इस पर तमाम विचार मिलते हैं, लेकिन क्या मालूम वे सच हैं भी या नहीं? जब तक कोई खुद अपनी आंखों से न देखे, तब तक कैसे मान ले कि मृत्यु के बाद हम जाते कहां हैं। कोई जाने के बाद लौट कर आया हो, और वह बताए, तो एक बार को मान भी लें।

हालांकि इस दुनिया में कई लोग ऐसे हैं, जो मृत्यु को छूकर वापस लौटे। यानी, कुछ पल के लिए मर गए, लेकिन फिर वह लौटे। मृत्यु के निकट के ये अनुभव विस्मय को जगाते हैं- वे हमें 'ईश्वर की नजर' से यह देखने का मौका देते हैं कि वास्तव में इससे परे क्या है। वे हमें ब्रह्मांड के किनारे तक ले जाते हैं। हालांकि यह बिल्कुल वैज्ञानिक विचार नहीं है, लेकिन हममें से ज्यादातर लोगों को इस बात की एक आम समझ है कि 'मृत्यु के निकट अनुभव' का क्या मतलब है। जाहिर है, मृत्यु के निकट अनुभव का मतलब एक ऐसी स्थिति से है, जिसमें किसी का जीवन खतरे में होता है। जिन लोगों ने इसका अध्ययन किया है या इस पर चर्चा की है, उनमें से अधिकांश इस बात पर सहमत हैं कि 'मृत्यु के निकट अनुभव' के रूप में गिनने के लिए ऐसा अनुभव तब होना चाहिए, जब व्यक्ति पूरी तरह सचेत न हो और उसमें निम्नलिखित पहलू पर्याप्त हों -शरीर से परे होने का अनुभव, जिसमें व्यक्ति को भौतिक रूप से ऊपर तैरने का अनुभव होता है और वह खुद को तथा अपने आसपास के वातावरण को देख सकता है। ऐसे में व्यक्ति अपने जीवन की समीक्षा करता है, और मृतक परिजनों या पूज्य धार्मिक व्यक्तियों द्वारा संरक्षित क्षेत्र (गहन अंधेरे में रोशनी, द्वार या बाड़ से घिरा क्षेत्र, नदी के दूसरे किनारे) की ओर बढ़ने का मार्गदर्शन पाता है। कई लोग जो मृत्यु के निकट अनुभव से गुजर चुके हैं, वे गंभीरतापूर्वक बदलाव की बात करते हैं-उन्हें मृत्यु का भय कम सताता है, वे ज्यादा आध्यात्मिक, ज्यादा सकारात्मक एवं मददगार होते हैं। वे नैतिकता के प्रति ज्यादा चिंतित होते हैं। ऐसे अनुभव पूरे इतिहास में और विभिन्न संस्कृतियों में पाए जाते हैं।

प्लेटो ने द रिपब्लिक में इनमें से एक का वर्णन किया है-एर का मिथक। (यह एर नामक एक सैनिक की कहानी है, जिसे मरा हुआ मान लिया जाता है और वह पाताल लोक में चला जाता है। पर जब वह पुनर्जीवित होता है, तो उसे लोगों को यह बताने के लिए भेजा जाता है कि परलोक में कौन-सी चीज उनका इंतजार कर रही है। एर परलोक का वर्णन करता है, जहां दयालु को पुरस्कृत किया जाता है और दुष्टों को दंडित किया जाता है।) 'मृत्यु के निकट अनुभव' आंशिक रूप से व्यक्ति की जीवन स्थिति, धर्म और संस्कृति के विवरण पर निर्भर होते हैं, लेकिन कुछ सामान्य तत्व भी हैं। उदाहरण के लिए, धार्मिक आकृतियां अलग-अलग हो सकती हैं-एक ईसाई को ईसाई आकृतियां दिखाई देंगी, एक बौद्ध को बौद्ध आकृतियां दिखाई देंगी और एक हिंदू को 'मृत्यु के निकट अनुभव' में हिंदू देवी-देवताओं की आकृतियां दिखाई देंगी। फिर भी गहरे स्तर पर सम्मानित व्यक्तियों द्वारा मार्गदर्शन मिलता है, तथा ज्ञात से अज्ञात की ओर यात्रा होती है। यह शायद सबसे कठिन यात्रा है, जीवन से मृत्यु तक। हमारी अंतिम यात्रा या हमारी यात्रा के अंतिम चरण पर प्रेमपूर्ण मार्गदर्शन गहरा प्रभाव डालता है। लोकप्रिय साहित्य में 'मृत्यु के निकट अनुभव' की व्याख्या लगभग हमेशा 'अलौकिक रूप से' की जाती है। मानो वे यह दिखाते हैं कि मन मस्तिष्क जैसा नहीं है और मस्तिष्क के काम करना बंद करने के बाद भी मन सक्रिय रह सकता है, और यह भी कि मन का किसी तरह से 'स्वर्ग' या गैर-भौतिक क्षेत्र से संपर्क होता है। 'मृत्यु के निकट अनुभव' से संबंधित पुस्तकों के शीर्षक बताते हैं कि 'स्वर्ग वास्तव में होता है' या हमारे पास 'स्वर्ग का सबूत' है। इन मुद्दों पर लिखने वाले न्यूरोसाइंटिस्ट दावा करते हैं कि 'मृत्यु के निकट अनुभव' 'मृत्यु के बाद के जीवन का सबूत' और 'जीवन से परे चेतना' प्रदान करते हैं। वे उन्हें मृत्यु के बाद की यात्रा मानते हैं। अलौकिक व्याख्या के समर्थक इस पर जोर देते हैं कि वे 'वास्तविक' हैं। न्यूरोसर्जन एबेन एलेक्जेंडर का प्रूफ ऑफ हेवन में अल्ट्रा-रियल शीर्षक से एक अध्याय भी है। मैं इससे इन्कार नहीं करता कि बहुत से लोगों के पास 'मृत्यु के निकट अनुभव' हैं। उनके पास सचमुच ऐसे अनुभव हैं, जैसे लोग सपने देखते हैं। इसलिए ये अनुभव प्रामाणिक रूप में वास्तविक हैं। इससे इन्कार करना उन बहुतेरे लोगों का अनादर करना है, जो ईमानदारी से इसके बारे में बताते हैं।

हालांकि 'वास्तविक' का एक और अर्थ है सटीक। क्या मृत्यु के निकट अनुभव की जो शाब्दिक व्याख्या की गई, वह परलोक की वास्तविकता का सटीक चित्रण है? यह एक अलग महत्वपूर्ण प्रश्न है। लेकिन वास्तविक मानते हुए सटीक न मानना महत्वपूर्ण है और कई अलौकिकतावादी यही करते हैं। मृत्यु के निकट अनुभव वास्तव में होते हैं। लेकिन इनसे हम यह अनुमान नहीं लगा सकते कि वे मृतक प्रियजनों द्वारा गैर-भौतिक क्षेत्र में मार्गदर्शन को सटीक रूप से दर्शाते हैं। बड़ा सवाल है कि क्या मृत्यु के निकट अनुभव स्वर्ग या नरक का सबूत देते हैं? मैं ऐसा नहीं मानता। इनमें से कोई भी तर्क ठोस नहीं है। ये स्पष्ट रूप से ज्वलंत सपने और मतिभ्रम हैं। नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले अनुभव भी गहरे और परिवर्तनकारी होते हैं। ये सभी अनुभव विषय-वस्तु को अति-वास्तविक रूप में प्रस्तुत करते हैं। यह किसी भी आध्यात्मिक अनुभव की एक चिर-परिचित विशेषता है, और मृत्यु का निकट अनुभव एक तरह का आध्यात्मिक अनुभव है। दुनिया भर में लोग अपने धर्मों में ईमानदारी और निश्चित विश्वास रखते हैं, लेकिन इस ईमानदारी और निश्चितता से यह अर्थ नहीं निकलता है कि धार्मिक विश्वास सत्य है और उसकी शब्दशः व्याख्या की गई है। मौलिक अंतरों को देखते हुए वे सत्य कैसे हो सकते हैं? यही बात 'मृत्यु के निकट अनुभव'के साथ है। मृत्यु के निकट अनुभव की अलौकिक व्याख्या के लिए दिए जाने वाले तर्क स्पष्ट रूप से समस्याग्रस्त हैं।

कई डॉक्टर इस विचार का समर्थन करते हैं कि 'मृत्यु के निकट अनुभव' पुनर्जन्म के अस्तित्व को साबित करते हैं। मगर उनके निष्कर्ष चिकित्सकीय नहीं, बल्कि दार्शनिक हैं। यह विचार कि मन शरीर से अलग हो सकता है और स्वर्ग (गैर-भौतिक क्षेत्र) से संपर्क कर सकता है, स्पष्ट रूप से चिकित्सा निष्कर्ष नहीं है, और चिकित्सकों के पास इस मामले में कोई विशेषाधिकार नहीं है। आखिरकार, वे चिकित्सक हैं, तत्वमीमांसक नहीं। क्या 'मृत्यु के निकट अनुभव' वास्तविक है?, अधिक विश्वसनीय व्याख्या करने के लिए वास्तविक अर्थ जरूरी

'मृत्यु के निकट अनुभव' की अधिक विश्वसनीय व्याख्या करने के लिए जरूरी है कि वे दोनों अर्थों में वास्तविक हों-यानी वे वास्तव में घटित होते हों और उनकी व्याख्या सटीक हो। मेरा मानना है कि 'मृत्यु के निकट अनुभव' की व्याख्या मूल रूप से और मुख्य रूप से जीवन से मृत्यु तक की यात्रा के बारे में होनी चाहिए। अधिकांश 'मृत्यु के निकट अनुभव' एक काल्पनिक संरक्षित क्षेत्र की ओर यात्रा को दर्शाते हैं, लेकिन उस तक पहुंचने के सफल मार्ग को नहीं। 'मृत्यु के निकट अनुभव' में हम कयामत के द्वार तक तो पहुंच जाते हैं, लेकिन उसके पार नहीं जा पाते। हम ब्रह्मांड के किनारे तक तो पहुंच जाते हैं, लेकिन वहीं रुक जाते हैं। 'मृत्यु के निकट अनुभव' यह नहीं दर्शाते कि जीवन के बाद भी कुछ है, बल्कि यह दर्शाते हैं कि प्रेमपूर्ण संगति में अच्छी तरह से मृत्यु संभव है। इस प्रकार 'मृत्यु के निकट अनुभव' दोनों ही अर्थों में वास्तविक हैं-वे वास्तव में घटित होते हैं, और इन संभावनाओं को सटीक रूप से चित्रित करते हैं। वे महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वे हमें अच्छी तरह से मृत्यु की संभावना की याद दिलाते हैं। वे हमें मृत्यु के बारे में कुछ गहन और सुंदर बातें बताते हैं। वे हमें अपनी यात्रा के अगले भाग का सामना करने के लिए झूठी आशा नहीं, बल्कि वास्तविक उम्मीद देते हैं, चाहे वह जो भी लेकर आए। - साभार

शेयर बाजार

गिरावट में एन्जॉय कीजिए !

■ अंशुमाली रस्तोगी

लुढ़कना, उठना, संभलना, फितरत है सेंसेक्स की। ये ऐसे ही चलता आया है। ऐसे ही चलता रहेगा। इसकी फितरत पर कयास चाहे जितना लगा लीजिए पर बदल कोई न पाया और पाएगा इसे। हां, बदलने की कोशिश जिसने भी की, वो हारा ही। इसीलिए, सिर्फ इसीलिए सेंसेक्स की गिरावट को एन्जॉय करता हूं। गिरकर ये चांस देता है, खरीदने का। रुके हुए पैसे को बहाव में लाने का। दो का दस करने का। आरामकुर्सी पर बैठ सुकून से जिंदगी बसर करने का। यकीन मानिए, सेंसेक्स जब भी रपटा, दिल को मजबूत किया। दिमाग को शांत किए रहा। हड़बड़ी में आकर कुछ गड़बड़ नहीं की। यार-दोस्तों को भी यही समझाया -ये शेयर बाजार है, यहां डूबकर सुरक्षित पार निकलने वाले को ही 'सिकंदर' कहा जाता है। अगर रख सकते हैं तो अपने सेंटिमेंट को मजबूत रखिए। यहां जो डर गया समझिए मर गया।सेंसेक्स गुरु है। इससे जिंदगी में, हर रोज, बहुत कुछ सीखने को मिलता है। कभी न हारना इसी से सीखा। गिरकर तुरंत खड़े हो जाना इसी से सीखा। किसी के कहे या फब्तियों पर ध्यान न देना इसी से सीखा। धैर्य के साथ पैसा कमाना भी इसी से सीखा। मगर लोग हैं कि शेयर बाजार को 'सट्टेबाजी का घर' कहकर गरियाते हैं। अमेरिका में मंदी की खबर जोर पकड़ रही है। असर भी दिख रहा है। दुनियाभर के शेयर बाजार गोता लगा रहे हैं। वारेन बफे जैसे ऊंचे खिलाड़ी बाजार से पैसा निकाल रहे हैं। समझदार वही है, जो मौका देख चौका जड़ दे। वरना, ये बाजार और पूंजी सगी किसी की नहीं। पिछली मंदी गवाह है। तब जो डूबा आज तलक सतह पर न आ सका। डूबते को यहां तिनके का भी सहारा नहीं।

कितने ही लोगों को कहते सुना है कि बाजार सेंटिमेंट्स पर चलता है। सेंटिमेंट्स तो बहाना होते हैं, डूबने की दहशत मार देती है। बात थोड़ा कड़वी लगेगी पर अपनी आजमाई हुई है कि, सेंसेक्स, पूंजी और महबूबा सगे किसी के नहीं होते। अपने वादे, इरादे से कब पलट जाएं कोई भी नहीं जानता। पोथियां भर दी बाजार के पंडितों ने नक्के बनाते-बनाते मगर समझ फिर भी न पाए इसकी चाल और चालाकी को।

बाजार से मिल रहे फायदे पर फोकस कीजिए। नुकसान का गम गलत करने के तरीके हजार। धन और धैर्य की सलाहियत जिसके पास, सिर्फ वही बाजार से जीत सकता है। खुद इस बाजार की छत्र छाया में रहते इतने बरस हुए कभी-कभी दुलत्ती ये मुझे भी मार ही देता है। आखिर अर्थव्यवस्था का 'बॉस' जो ठहरा ! आगे गिरावट या मंदी का प्रकोप कितना गहरा है काबिल (!) विशेषज्ञ जानें। - साभार

पर्सीड उल्कापात: ऐतिहासिक अवशेषों की पृष्ठभूमि और खगोलीय घटना का रोमांच

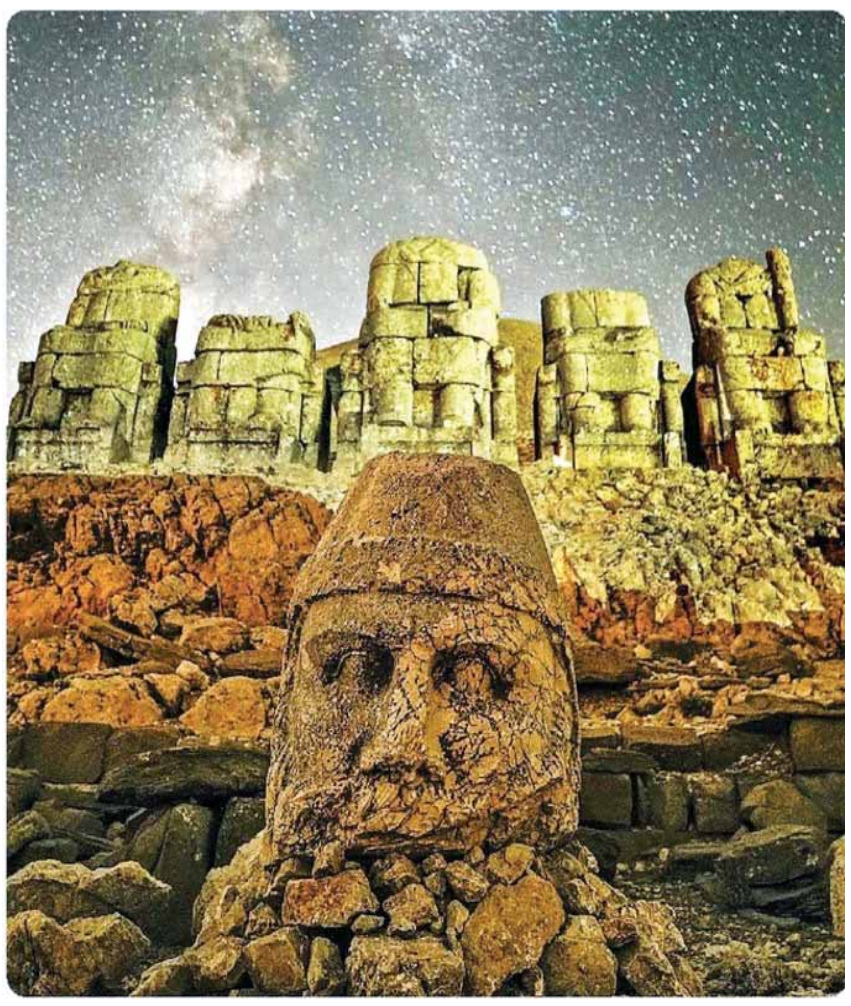

दक्षिण-पूर्वी तुर्की में माउंट नेमरुट पर प्राचीन मूर्तियों व निर्माणों के अवशेष, और पृष्ठभूमि में पर्सीड उल्कापिंडों की सोमवार को हुई बौछार का दृश्य। दरअसल, पर्सीड उल्काएं स्विट-टटल धूमकेतु द्वारा छोड़ा गया मलबा है, जो सूर्य की परिक्रमा एक अण्डाकार पथ पर करता है जिसे पूरा करने में 133 वर्ष लगते हैं। जब पृथ्वी सूर्य के चारों ओर अपने पथ पर बढ़ते हुए मलबे के बादल से गुजरती है, तो उसका गुरुत्वाकर्षण मलबे को अपनी ओर खींचता है, जिससे उल्कापात होता है। चित्र में नजर आ रहीं प्राचीन मूर्तियां 7,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर हैं और एक प्रार्थना स्थल के परिसर का हिस्सा हैं, जिसे प्राचीन कॉमाजेन साम्राज्य के राजा एंटिओकस प्रथम ने अपने स्मारक के रूप में बनवाया था।

सच्चे शिव भक्त के समर्पण का श्रावण मास

■ नम्रता कचौलिया

श्रावण मास , पवित्रता से परिपूर्ण होने के साथ ही शिव जी की सम्पूर्णता का महत्व भी बताता है। शिव जी ने समुद्र मंथन से निकले प्रलयंकारी विष का सेवन करके उसको अपने कण्ठ में धारण किया तब से वो नीलकंठ कहलाये । अपने गले में विष को रोककर ,एक ओर तो संसार को उसके प्रकोप से बचा लिया वही दूसरी ओर उसी विष को अपने बाक़ी शरीर में ना फैलने देकर स्वयं पर भी उसका तीक्ष्ण असर नहीं आने दिया और ये सब उन्होंने तीनो लोकों की भलाई के लिए किया । ठीक इसी तरह हम भी व्यवहारिक जीवन मे सब बेहतर होने के बावजूद कभी कभी अपने परिवार , मित्र या आसपास वालों से मिलने वाले कड़वे वचन को विष समझ दरकिनार कर सकते है । इसके भी दो फ़ायदे है ,एक तो उस नकारात्मकता को शिव जी की तरह कंठ से नीचे ना उतारते हुए उस पर ग़ौर ना करते हुए अपने विचारों में ना शामिल करते हुए सिर्फ़ सुनकर अपने से दूर रख ख़ुद को बचा सकते है ,साथ ही दूसरी ओर हम ऐसा करेंगे तो इससे हमारे आस पास वालों को स्वतः ही नकारात्मक ऊर्जा से हम बचा पायेंगे जिसमे उनकी भी भलाई है। ये भी ध्यान रहे ,ये विष अर्थात् वो बाते या वो हरकते जो दूसरे हमको सिर्फ़ हैरान करने के लिए करते है ,जिसको हम अपनी समझदारी से अनदेखा कर सकते है ये कब हमको अमृत के रूप में लौटकर मिल जाए ये तो सिर्फ़ वो भगवान ही जानते है। इसमें ये ज़रूर याद रखना कि उनको बुराई के बदले बुराई देने में विश्वास मत रखना ,बल्कि बुराई पर विराम लगाने वाली समझदारी दिखाना। आप सच्चे शिव भक्त है तो इस तरह इन चीज़ो से ऊपर उठकर अपने भगवान से आराधना कर उन्हें दूसरों की भलाई करने का वचन रूपी बिल्व पत्र ज़रूर चढ़ाए तो ही इस मास की और हमारी स्वयं की पवित्रता यथावत रहेगी और भोलेनाथ को प्रसन्नता भी देगी। जिस तरह भगवान ने विष ग्रहण करके भी अपनी सहजता और वात्सल्यता को बरकरार रखा है वैसे ही हमें भी दूसरो से मिल रही परेशानियों के बाद भी अपने आप के व्यक्तित्व की गरिमा को बरकरार रखना है।

गलत इंजेक्शन और गोली देने से बिगड़ी थी तबीयत

झोलाछाप डॉक्टर ने की बच्ची की जान के साथ किया खिलबाड़!

संतोष सिंह चंदेल,सिवनी मालवा

लोगों की जान के साथ खिलवाड़ करते हुए झोलाछाप बंगाली डॉक्टरो की बाढ़ सी आई हुई है यह झोलाछाप डॉक्टर अंगद की तरह हर गांव तहसील में बैठे हुए हैं। हम बात करें ग्राम पंचायत नंदरबाड़ा, लोखरतलाई, सूरजपुर, सहित दर्जनों ग्राम पंचायत में यह झोलाछाप डॉक्टर लोगो की जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। इसके अलावा सिवनी मालवा में भी दो दर्जन झोलाछाप डॉक्टरों की क्लीनिक जमकर फल फूल रही है जिला स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय स्वास्थ्य विभाग की बड़ी लापरवाही के कारण इन पर किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं करने से इनके हौसले आज इतने बुलंद है कि वह प्रदेश सरकार के इन झोलाछाप डॉक्टरों पर कार्रवाई करने के आदेश से बचते हुए नजर आ रहे हैं। आखिर क्या कारण है कि इन्हें खुली छूट मिल रखी है किसका संरक्षण है जो यह दिनदहाड़े लोगों की जान के साथ गलत इंजेक्शन देकर मौत के घाट उतार रहे हैं ऐसे कई मामले क्षेत्र में घटित हो चुके हैं ऐसा ही एक ताजा मामला सिवनी मालवा विधानसभा के अंतर्गत आने वाले डोलरिया की सेमरी खुर्द का सामने आया है जहां एक बंगाली डॉक्टर ने 9 साल की बच्ची पायल दामड़े को गलत दवा और इंजेक्शन दे दिया था जिसके कारण बच्ची की हालत खराब हो गई थी। दामड़े परिवार ने बंगाली डॉक्टर की इलाज के बाद वह पास में ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ले गए जहां बच्ची की गंभीर हालत देखते हुए चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल भेज दिया था। बच्ची की हालत ज्यादा बिगडने पर उसे प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। जहां आईसीयू वार्ड में इलाज किया जा रहा है। इस संबंध में बच्ची के पिता ने डॉक्टर बंगाली को दूरभाष पर बुलाकर सारी बातों से अवगत कराया तो बंगाली डॉक्टर ने बच्ची के इलाज का खर्च उठाने का लालच देकर बच्ची के परिवारजनों को शिकायत करने से रोक दिया।

स्टांप पेपर पर लिखवा रहे हैं बयान

इस पूरे मामले में जब बच्ची की तबीयत ज्यादा बिगड़ी तो उसे अस्पताल में एडमिट कराया गया तो झोलाछाप डॉक्टर ने बच्ची का इलाज एक प्राइवेट हॉस्पिटल में कराया । इसका खर्चा भी डॉक्टर ने उठाया। बच्ची ठीक हो गई है रिपोर्ट नॉर्मल है और उसे डिस्चार्ज कर दिया गया है । लेकिन अब झोलाछाप डॉक्टर द्वारा शपथ पत्र पर बच्ची के माता-पिता के बयान लिखवाया जा रहे हैं कि अब उनकी कोई जवाबदारी नहीं होगी । उन्होंने इलाज करवा दिया है। डॉक्टर और उनकी पुत्री का कहना है कि हमारे क्लीनिक में इलाज होने से बच्चे की तबीयत बिगड़ी थी तो हमने प्राइवेट इलाज कराया। सारी रिपोर्ट नॉर्मल आई है। बच्ची को डिस्चार्ज कर दिया इसके बाद यदि बच्ची को कुछ होता है तो उसकी जवाबदारी हमारी नहीं रहेगी। इसलिए उनसे लिखवाया जा रहा है।अब लोगों के जहन में अब यह एक यक्ष प्रश्न बनता जा रहा है कि आखिर मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के सख्त निर्देश के बाद भी जिला प्रशासन से लेकर स्थानीय प्रशासन ने लोगों की जान के साथ खिलवाड़ करने की इन झोलाछाप डॉक्टरों को खुली छूट पर कब रोक और पाबंदी लग सकती है ।

सिवनी मालवा तहसीलदार और अपर कलेक्टर को पूर्ववत प्रभार सौंपें गए

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

माननीय उच्च न्यायालय की डिवीज़न बेंच द्वारा 1821/2024 में दिनांक 16 अगस्त 2024 को पारित स्थगन आदेश के पालन में अपर कलेक्टर डी के सिंह और तहसीलदार सिवनी मालवा राकेश खजूरिया को पुनः यथावत प्रभार दिया गया है। उक्त दोनों अधिकारियों को पूर्व में सौंपे गये समस्त दांडिक शक्तियां, राजस्व न्यायालयीन कार्य, वित्तीय अधिकार आदि पूर्ववत् रहेंगे।

कलेक्टर द्वारा जारी कार्य विभाजन अनुसार अपर कलेक्टर संपूर्ण जिले में कानून एवं व्यवस्था बनाये रखना एवं शांति समिति की बैठक, बाढ़ एवं आपदा नियंत्रण, राहत एवं बचाव कार्य, जिले में आयोजित मेले/पर्व के दौरान कानून व्यवस्था संबंधी संपूर्ण कार्य के नोडल अधिकारी रहेंगे। म.प्र.पुलिस अधिनियम की धारा 25 के अन्तर्गत प्रकरणो का निराकरण। म.प्र.दुकान तथा स्थापना अधिनियम 1958 की धारा 51 (बी) प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग। जिला होमगार्ड/नगर सुरक्षा से संबंधित कार्य (जिला दण्डाधिकारी के अनुमोदन से) माध्यस्थम एवं सुलह अधिनियम 1996 के तहत कार्यवाही । किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 की धारा 58 (3) के तहत कार्यवाही।

म.प्र.कृषि जोत सीमा अधिनियम के तहत मूल प्रकरणो का पंजीयन एवं निवर्तन एवं अपील प्रकरणो का निराकरण। म.प्र.भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 41 के अन्तर्गत राजस्व याचिका लेखको की नियुक्ति एवं तत्संबंधी प्रकरणो का निराकरण। तहसीलदार अथवा अन्य विभागीय अधिकारियों से प्राप्त मंदिर की भूमि की नीलामी सिवाय आय नीलामी से संबंधित अनुमोदन हेतु प्राप्त प्रकरणों का निराकरण। नजूल जाँच एवं भू-मापन (नगर सीमा) से सबंधित प्रकरणों का निराकरण एवं भूमि आवंटन, राजस्व पुस्तक परिपत्र के अंतर्गत जिले के समस्त नजूल प्रकरणों का निराकरण/नवीनीकरण/शर्त उल्लघंन के लिये उपशमन (ष्टश्वद्वश्चश्वह्लठ्ठस्र), म.प्र.भू-राजस्व संहिता अन्तर्गत अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियो का राष्ट्रीयकृत बैंक में संयुक्त खाता खोलकर राशि आहरण बाबत प्रकरण का निराकरण करेंगे।

महिला एवं बाल विकास विभाग से संबंधित अपील (आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका नियुक्ति/पद्चुति से संबंधित समस्त अपीलीय अधिकार), लोक सेवा गारंटी बीपीएल प्रकरणों से संबंधित अपीलों तथा मध्य प्रदेश सार्वजनिक वितरण प्रणाली नियंत्रण आदेश 2009 / 2015 के अंतर्गत अपीले,अवैध उत्खनन, परिवहन, भंडारण एवं खाद्य सुरक्षा अधिनियम की शक्तियों से सम्बंधित प्रकरणों को अपर कलेक्टर न्यायालय में सुना जाएगा।

नकली पुलिस ने बुजुर्ग के साथ की ठगी, दो सोने की अंगूठी लेकर फरार

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

नगर में आए दिन हो रही है लूट की घटनाएं अधिकतर बुजुर्ग लोगों को लुटेरे अपनी लूट का शिकार बना रहे हैं। लगातार हो रही धोखाधड़ी की घटना से नगर में दहशत का माहौल बना हुआ है। इससे पहले भी तीन घटनाएं एक जैसी फिल्मी स्टाइल में करके लुटेरे रफू चक्कर हो जा रहे हैं। ऐसे ही आज की घटना लुटोरो ने आज की घटना को अंजाम दिया। आज सिवनी मालवा के जेल रोड पर घाटी एक व्यक्ति का अज्ञात लुटेरों द्वारा अपने चुंगल में फंसा कर दो सोने की अंगूठी लूट कर चले गए फरियादी ने इस बात की शिकायत सिवनी मालवा थाने में की फिलहाल पुलिस सीडी केमरे में उन लोगों की खोज कर रही है।

चिकित्सकों ने महात्मा गाँधी की मूर्ति को ज्ञापन सौंपकर जताया अपना विरोध

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

पिछले दिनों पश्चिम बंगाल में महिला रेजिडेंट डॉक्टर की रेप के बाद नृशंस हत्या के मामले में सिवनी मालवा के डॉक्टरों ने गाँधी चौक पर महात्मा गाँधी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के पश्चात डॉक्टरों ने गाँधी चौक से जयस्तंभ चौक तक हाथों में तख्तियां लेकर रैली निकाल कर विरोध-प्रदर्शन भी किया। डॉक्टरों ने बताया की विगत दिनों कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनिंग कर रही डॉक्टर मौमिता देवनाथ के साथ कुछ दरिंदों ने जघन्य अपराध कर उन्हें मौत के घाट उतार दिया। इस भयावह घटना को घटित हुए एक सप्ताह बीतने को है परंतु जिम्मेदार लोग अभी तक चुप्पी साधे हुए हैं।

इस घटना के बाद पूरा देश स्तब्ध है तथा न्याय की उम्मीद लगाए बैठा है। आज हम सभी चिकित्सकगण आपसे न्याय का निवेदन करने आए हैं। आपसे हमारा निवेदन है कि जिम्मेदारों को सद्बुद्धि प्रदान करें ताकि उन दरिंदों को कड़ी से कड़ी सजा मिले, जिससे समाज में इस तरह के अपराध की पुनरावृत्ति ना हो।

डॉ पूनम राजपूत ने बताया की हम हमारे चिकित्सक साथी की हत्या की विरोध में गाँधी जी को ज्ञापन सौंपने आये हैं। हम गाँधी जी को ज्ञापन सौंपने इसलिए आये है क्यूंकि हम प्रशासन को मूर्त रूप मान चुके है। इसलिए उन्हें ज्ञापन देना सही समझ नहीं आया, इसलिए हमने गाँधी जी को ज्ञापन सौंप विरोध दर्ज कराया है। वही दिन में मोमबत्ती इसलिए जलाई है जो दिन के अंधे है उन्हें उजाला देखने का प्रयास हम कर रहे हैं।

टीआई उतरे मैदान में, यातायात को कराया सुचारु

इटारसी। बीती रात रेलवे स्टेशन मुख्य मार्ग पर बड़े वाहनों एवं छोटे वाहनों की आवाजही के कारण बहुत लंबा जाम लग गया था, जैसे ही इसकी सूचना सोशल मीडिया ग्रुप में डाली तो शहर के थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला अपने दल बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे, श्री सिंह ने स्वयं पाइप लेकर यातायात को सुचारू कर रहा है। इसके साथ ही शहर के मुख्य मार्ग जय स्तंभ चौक पर लगे रक्षाबंधन के बाजार में भी ठेले वालों को हटाकर यातायात से सुचारु कराया। बातचीत करने के दौरान सिंह बाजार में रक्षाबंधन त्यौहार की दुकान लगी हुई है, कई ठेले वाले सड़क पर अतिक्रमण का बीच में लगा लेते हैं, अब लेकिन यह नहीं लगा पाएंगे। हमारा पुलिस 12 घंटे मौजूद रहेगा।

विवेक सागर सहित समस्त भारतीय हॉकी टीम ने देश को गौरवान्वित किया- संभागायुक्त

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

संभागायुक्त नर्मदापुरम संभाग के जी तिवारी ने पेरिस ओलंपिक में हॉकी के कांस्य पदक विजेता खिलाड़ी श्री विवेक सागर से आयुक्त कार्यालय नर्मदापुरम में सौजन्य भेंट की। इस दौरान श्री सागर के पिताजी रोहित प्रसाद भी उपस्थित रहे। संभागायुक्त श्री तिवारी ने पुष्पगुच्छ प्रदान कर श्री सागर को उनकी इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दी। श्री विवेक सागर द्वारा पेरिस ओलंपिक के अपने अनुभवों को आयुक्त के साथ साझा किया। उन्होंने बताया कि कोविड के कारण टोक्यो ओलंपिक के दौरान समर्थकों के उत्साहवर्धन की जो कमी महसूस हुई थी वो पेरिस ओलंपिक के दौरान पूरी हुई। संभागायुक्त ने श्री सागर से मुकाबले के दौरान उनके द्वारा बनाई गई रणनीति के संबंध में भी चर्चा की। श्री सागर ने संपूर्ण प्रतियोगिता के अपने अनुभव संभागायुक्त से साझा किए।

उन्होंने बताया की असफलताओं का समय निकल जाता है ज़रूरी यह है की हम अपनी असफलताओं से भी सीख लेते हुए दृढ़ निश्चय के साथ आगे बढ़ते रहें। आयुक्त नर्मदापुरम संभाग श्री तिवारी ने श्री सागर को उनकी इस उपलब्धि के लिए एवं आगामी भविष्य में भी उन्हें इसी तरह सफलता मिले ऐसी शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा की आशा करते है आपके अनुभव का लाभ प्रदेश एवं जिले के अन्य उभरते हुए खिलाड़ियों को भी मिलेगा। उन्होंने श्री सागर के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। आयुक्त श्री तिवारी ने ओलंपिक कांस्य पदक विजेता श्री सागर के पिता रोहित प्रसाद को कहा कि जिस तरह उनको अपने सुपुत्र पर इस उपलब्धि को प्राप्त करने लिए गर्व महसूस हो रहा है उसी प्रकार समस्त नर्मदापुरम जिले एवं प्रदेश को भी उन्होंने गौरवान्वित किया है।

होमगार्ड के नायक श्यामलाल यादव को मिला राष्ट्रपति पदक

नर्मदापुरम। कार्यालय डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड नर्मदापुरम में पदस्थ नायक श्यामलाल यादव को 15 अगस्त 2024 स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री म.प्र. शासन द्वारा सराहनीय सेवाओं एवं आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के फलस्वरूप राष्ट्रपति पदक से पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर डिसट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड नर्मदापुरम राजेश कुमार जैन, प्लाटून कमांडर श्रीमती अमृता दीक्षित, प्लाटून कमांडर शिवराज चौधरी, ओ.पी. रघुवंशी, ए.एस.आई एम श्रीमति अपर्णा सोनकर, आशीष दीवान, हवलदार अनुदेशक तुलसीराम चौधरी, ललितमोहन यादव, देवीशंकर चौहान, मोहन यादव, यशंवतसिंह राजपूत, गजेन्द्र राजन, अभिषेक यादव एवं सेवानिवृत्त सीएचएम राष्टपति पुरस्कार से सम्मानित रामनाथ वर्मा, समस्त होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ परिवार के सभी सदस्यों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

मेट्रो एंकर जिला स्तरीय एवं उपखंड स्तरीय बैठक के नियमित रूप से आयोजित की जाए

पीड़ितों को राहत राशि उपलब्ध कराने के लिए लंबित प्रकरणों में स्वीकृति प्रदान की जाए

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

आयुक्त कार्यालय सभा कक्ष में संभागायुक्त के जी तिवारी की अध्यक्षता में जनजातीय कार्य विभाग अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 एवं मध्य प्रदेश आकस्मिकता नियम 1995 के तहत गठित संभाग स्तरीय सतर्कता एवं निगरानी समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पुलिस महानिरीक्षक नर्मदापुरम रेंज इरशाद वली, उप महानिरीक्षक प्रशांत खरे सहित नर्मदापुरम जिले की कलेक्टर सोनिया मीना एवं पुलिस अधीक्षक गुरकरन सिंह, हरदा जिले के कलेक्टर आदित्य सिंह एवं पुलिस अधीक्षक अभिनव चौकसे, संयुक्त आयुक्त विकास जे. सी दोहर, उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

बैठक में आयुक्त द्वारा पूर्व बैठक के पालन प्रतिवेदन की जानकारी की विस्तार से समीक्षा की एवं बैठक में उपस्थित समस्त अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। आयुक्त श्री तिवारी द्वारा अत्याचार निवारणार्थ अधिनियम अंतर्गत तीनों जिलों के पुलिस थानों में पंजीकृत प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने तीनों जिलों के कलेक्टर्स एवं पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया है कि पंजीकृत प्रकरणों में विवेचना, चालान प्रस्तुत करने का कार्य प्राथमिकता से किया जाए। कलेक्टर्स एवं एसपी इस संबंध में विशेष रूप से समीक्षा करें की कोई भी ऐसे प्रकरण लंबित न रहे। आयुक्त द्वारा थानों में पंजीकृत प्रकरणों में चालान प्रस्तुतिकरण के उपरांत अभियोजन की स्थिति, जिनमे प्रकरणों के निर्णय, उनमें सजा आदि की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा है कि ज्यादा से ज्यादा प्रकरणों को निराकृत करने पर ध्यान केंद्रित करें। आयुक्त ने गवाहों को सुरक्षा, जीवन निर्वाह, यात्रा, पुनर्वास भत्ता दिए जाने की समीक्षा की एवं उक्त संबंध में नियमानुसार यथोचित भत्ता उपलब्ध करवाए जाने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए।

संभागायुक्त श्री तिवारी ने अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 के तहत पीड़ितों को राहत राशि भुगतान की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने तीनों जिलों के कलेक्टर को निर्देशित किया है कि ऐसे मामलों की समीक्षा करें एवं नियम अनुसार अविलंब स्वीकृति प्रदान किया जाना सुनिश्चित करें। श्री तिवारी ने स्वीकृत प्रकरणों में भुगतान की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा की सहायता राशि स्वीकृति के उपरांत भुगतान भी दिलाया जाना सुनिश्चित करें।

आयुक्त श्री तिवारी ने तीनों जिलों के कलेक्टर्स को निर्देशित किया है कि जिला स्तरीय समिति को गठित कर बैठक नियमित रूप से आयोजित की जाए एवं उपखंड स्तर पर भी समिति गठित कर बैठक का आयोजन समय-समय पर किया जाता रहे।

जीनियस प्लानेट में आयोजित फायरलेस कुकिंग प्रतियोगिता

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

जीनियस प्लानेट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कक्षा 6 वी से कक्षा 12 वी तक के बच्चों के लिए स्कूल ने फायर लेस कुकिंग कम्पटीशन का आयोजन किया द्य जिसमें स्कूली बच्चों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। यह प्रतियोगिता स्वाद के अनुसार दो केटेगरी स्वीट ओर नमकीन में आयोजित की गई । दोनों ही केटेगरी में कक्षा 6 वी से कक्षा 10 वी तक के बच्चों ने भाग लिया। जिसमें ग्रुप ए में कक्षा 6 वी ओर 7 वी के स्टूडेंट्स और ग्रुप बी में कक्षा 8वी से 10वी तक के बच्चों ने भाग लिया । नमकीन केटेगिरी में बच्चों ने भेल, ब्रेड के दही बड़े, दही का पोहा, स्प्रेउट्स चाट, नाचोस चाट, कुरकुरे चाट पापड़ी चाट, विभिन्न प्रकार के सेंडबिच बनाये द्य वही स्वीट केटेगिरी में बच्चों ने चॉकलेट मोदक, ओरिओ शेक, ओरिओ लड्डू, केक, नारियल बर्फी, कोल्ड कॉफी, पंजाबी स्वीट फुलकी, पान लड्डू, डोनट्स आदि बनाए। नमकीन केटेगरी में निर्णायक की भूमिका पार्षद मनीषा अग्रवाल और अग्रवाल बहुरानी मंडल की पूर्व अध्यक्ष श्रुति अग्रवाल ने निभाई और स्वीट केटेगिरी में निर्णायक की भूमिका निनाद ग्रुप के सदस्य अमिताभ बैस और अजय राज ने निभाई । स्कूल संचालिका मनीता सिद्दीकी ने सभी निर्णायकगण को धन्यवाद दिया।

हिंडोला महोत्सव : विधायक शर्मा ने नगर के मंदिरों के दर्शन किए, भगवान को झूला झूलाया

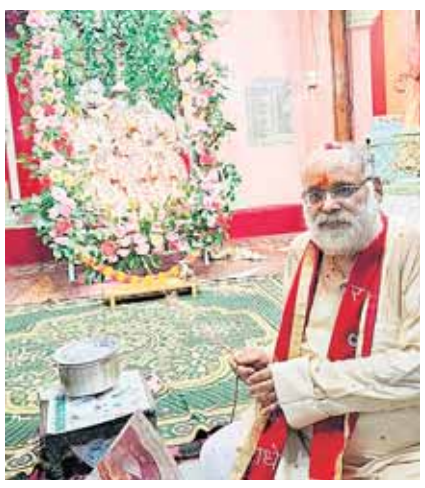

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शुक्रवार श्रावण शुक्ल एकादशी हिंडोला महोत्सव के अवसर पर देर शाम को विधायक उमाकांत शर्मा नगर के विभिन्न मंदिरो में भगवान के दर्शन करने पहुँचें, इस अवसर पर उन्होने सर्वप्रथम गिरधारी महाराज मंदिर, रघूनाथ जी महाराज मंदिर, श्री बृजराज जी महाराज मंदिर, श्री कल्याण राव जी महाराज मंदिर, श्री मदन मोहन सरकार मंदिर,श्री रास बिहारी महाराजमंदिर (चौरसिया समाज) भगवान श्री द्वारिकाधीश मंदिर, भगवान श्री श्रीलक्ष्मीनारायण जी मंदिर, श्री बिहारी जी मंदि , देवाधीदेव रामलला सरकार के मंदिर में पहुंचकर सभी जगह भगवान श्री राधा कृष्ण ,भगवान श्री सीताराम, राम जानकी, भगवान श्री लक्ष्मीनारायण जी की हिंडोला के महोत्सव के तहत सजाई गई झांकियो के दर्शन कर शयन आरती सम्मिलत हुए एवं भगवान को झूला झुलाया एवं क्षेत्र की उन्नति व प्रगति के लिये भगवान से प्रार्थना की । ज्ञात हो कि प्रति वर्ष सावन के माह में वैष्णव मंदिरो में हिंडोला महोत्सव पर मंदिरो में भगवान को झूले में झूलाने की परंपरा रही है वही पौराणिक मान्यताओ के अनुसार सावन के माह में भगवान को झूला झूलाने से व्यक्ति की हर मनोकामना पूरी होती है ।

हिंडोला उत्सव को मनाने की पीछे मान्यता - धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सावन के दिनों में ही भगवान श्रीकृष्ण ने राधाजी को झूला झुलाया था, इसी उत्सव को हम हिंडोला उत्सव के नाम से जानते है , इस दौरान भगवान श्रीकृष्ण ने गीत गाकर और मुरली बजाकर संपूर्ण पृथ्वी को अपनी लीलाओं से आश्चर्यचकित कर दिया था। श्रीकृष्ण ने राधा रानी को दुल्हन की तरह सजाया था और साथ में नृत्य भी किया था। ऐसी मान्यता है कि सावन के दिनों में झूला झूलने से भगवान श्रीकृष्ण की असीम कृपा प्रदान होती है।

जूनियर महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और जघन्य हत्या के विरोध कैंडल मार्च

सिरोंज। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद विदिशा जिले की सिरोंज इकाई द्वारा पश्चिम बंगाल के कोलकाता में लाल बाजार स्थित आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक जूनियर महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और जघन्य हत्या के विरोध में इंअच सिरोंज इकाई द्वारा कैंडल मार्च निकाला गया नगर की अध्यक्ष वंदना यादव ने इस प्रकार के दुष्कर्म के बढ़ते स्तर को रोकने के लिए सभी नागरिकों समाज एवं पुलिस को सजग होने की एवं छोटी-छोटी गतिविधियों को जो आगे चलकर बढ़ा एवं भयानक रूप ले रही है के खिलाफ आवाज उठाने व एकजुट होकर उसका सामना करने की बात कहीं भारत जैसे देश में जहां महिलाओं को देवी का स्थान प्राप्त है इस प्रकार के दुष्कर्म को रोकने के लिए देश के नागरिकों को सजग होना पड़ेगा वह देश के कानून में कठोरता बरतने की आवश्यकता है इसमें मुख्य रूप से प्रांत से एसएफएस प्रमुख एवं नगर अध्यक्ष वंदना यादव एवं सह मंत्री आशीष शर्मा विशाल दुबे विनायक सोनी दीपक विशाल रघुवंशी हर्ष बैरागी राज सक्षम अंशुल अन्य कार्यकारिणी सदस्य एवं नगर के लोग उपस्थित रहे उपस्थित रहे।

पंचायत एवं नगरीय निकाय उप निर्वाचन का कार्यक्रम घोषित

विदिशा जिले में एक सरपंच पद व 23 पंच पद हेतु निर्वाचन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा त्रि-स्तरीय पंचायतों एवं नगरीय निकायों के उप निर्वाचन का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। उप निर्वाचन के लिये मतदान 11 सितंबर 2024 को होगा। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी उप निर्वाचन कार्यक्रम की जानकारी देते हुए उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती मोहिनी शर्मा ने बताया कि त्रि-स्तरीय पंचायतों एवं नगरीय निकायों के उप निर्वाचन के लिये निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन तथा नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने का कार्य 21 अगस्त से शुरू होगा। नाम निर्देशन पत्र 28 अगस्त तक लिये जायेंगे। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 29 अगस्त को होगी। अभ्यर्थिता से नाम वापस लेने की तारीख 31 अगस्त है। इसी दिन निर्वाचन प्रतीकों का आवंटन भी किया जाएगा। त्रि-स्तरीय पंचायतों में मतदान सुबह 7 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक होगा। नगरीय निकायों में मतदान सुबह 7 से शाम 5 बजे तक होगा।

मतगणना एवं परिणाम की घोषणा - पंच पद के लिये मतगणना, मतदान समाप्ति के तुरंत बाद की जाएगी। सरपंच एवं जनपद पंचायत सदस्य के लिये ईवीएम से की जाने वाली मतगणना विकासखण्ड मुख्यालय पर 15 सितम्बर को सुबह 8 बजे से होगी। परिणाम भी 15 सितंबर को ही घोषित किये जायेंगे। नगरीय निकायों में मतगणना एवं निर्वाचन परिणामों की घोषणा 13 सितंबर को सुबह 9 बजे से होगी। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती मोहिनी शर्मा ने बताया कि विदिशा जिले में

त्रिस्तरीय पंचायतों में रिक्त पदों की निर्वाचन प्रक्रिया आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार संपादित की जायेगी। विदिशा जिले में एक सरपंच पद हेतु तथा 23 पंच पद के लिए निर्वाचन संपन्न होगा। जबकि जिले के निकायों में एक भी रिक्त नहीं होने के कारण सिर्फ पंचायत पदों को लिए चुनावी प्रक्रिया संपादित की जायेगी। विदिशा जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत भदार बड़ागांव में सरपंच पद हेतु जबकि 23 पंच पद के लिए निर्वाचन होना है । जिसमें विदिशा जनपद पंचायत में 6, ग्यारसपुर एवं बासौदा में क्रमश चार- चार, कुरवाई में दो, सिरोंज में 6 लटेरी जनपद पंचायत में एक पंच पद हेतु निर्वाचन संपादित कि जाएंगी।

14 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन

शिवराज ने कहा - किसानों का कल्याण प्रधानमंत्री की पहली प्राथमिकता

सीहोर, दोपहर मेट्रो।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान बुधनी में आयोजित कार्यक्रम एवं तिरंगा रैली में शामिल हुए। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने बुधनी में आयोजित कार्यक्रम में 14 करोड़ 70 लाख 97 हजार की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया।

इस अवसर पर केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश एवं प्रदेश में निरंतर विकास हो रहा है और सरकार किसानों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि खेती में यदि उत्पादन बढ़ाना हो तो नई किस्म के बीजों की आवश्यकता होती है तथा सरकार ने नई किस्मों के 109 प्रजातियों के बीज तैयार किए हैं, ताकि कृषि के क्षेत्र मे उत्पादन अधिक से अधिक हो सके। उन्होंने कहा कि खेती में उत्पादन अधिक हो तथा लागत कम हो इसके लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की पहली प्राथमिकता किसानों का कल्याण है। उन्होंने कहा कि पढ़ने वाले बच्चों की अच्छी शिक्षा और उनकी कोचिंग के लिए सरकार सहायता करेगी।

उन्होंने कहा कि सरकार महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी निरंतर कार्य कर रही है। सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिए लाड़ली बहना योजना एवं स्व-सहायता समूह चलाए जा रहे हैं। अब लाड़ली बहनों को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि स्व-सहायता समूह के माध्यम से महिलाओं की आमदानी एक लाख रूपये सालाना से अधिक करना है। उन्होंने कहा कि जनता की सेवा मैरे लिए भगवान की पूजा के समान है। उन्होंने कहा कि गरीबों के लिए 03 करोड़ आवास और बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा अब शहरों के साथ-साथ गांवों में भी स्ट्रीट वेंडर की योजना शुरू की जाएगी। इस अवसर पर उन्होंने बहनों से संवाद भी किया तथा बहनों ने केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान को राखी भी भेंट की। कार्यक्रम में पूर्व सांसद श्री रमाकांत भार्गव, पूर्व विधायक श्री राजेंद्र सिंह राजपूत, श्री गुरु प्रसाद शर्मा, श्री रघुनाथ सिंह भाटी, सलकनपुर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री महेश उपाध्याय, जिला भाजपा अध्यक्ष श्री रवि मालवीय, बुधनी नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती सुनीता अर्जुन मालवीय एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

ई-केवायसी अपडेशन कार्य में विदिशा चौथे स्थान पर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

राजस्व महा अभियान 2.0 के तहत हरेक किसान का ई-केवाईसी कार्य संपादित किया जा रहा है। ताकि शासन की योजनाओं के तहत उन्हें हित लाभ प्राप्ति में किसी भी प्रकार की तकनीकी रूप से असुविधाओं का सामना ना करना पड़े जिन किसानों की ई-केवाईसी कार्य नहीं होगा। उन्हें पीएम सम्मान निधि की प्राप्ति में व्यवधान आ सकते हैं।

गौरतलब हो कि जिले में जारी राजस्व महा अभियान द्वितीय के तहत ई-केवाईसी संबंधी कार्यों पर विशेष जोर दिया जा रहा है। अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर ने बताया कि ई केवाईसी संबंधी जिलों की जारी रैंकिंग सूची में विदिशा जिला प्रदेश में चौथे स्थान पर है। अभियान अवधि में विदिशा जिले में कुल 5 लाख 99 हजार 364 ई केवाईसी कार्यों का लक्ष्य रखा गया है।जिसमें से 17 अगस्त तक 158333 ई- केवाईसी कार्य पूर्ण किए गए हैं जो लक्ष्य उपलब्धि का 26.42 प्रतिशत है। प्रदेश में पहले तीन जिलों में क्रमशः हरदा, रायसेन एवं नीमच शामिल हैं। ई-केवायसी कार्यों का जायजा - कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिले में ई-केवायसी संबंधी तमाम कार्य शीघ्र अतिशीघ्र पूरे किए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि सभी एसडीएम को उक्त कार्य की लीडरशिप लेते हुए हर रोज भ्रमण कर कार्यों को संपादन करा रहे अमले पर सतत् नजर रखते हुए विशेष निरीक्षणों का क्रियान्वयन करें।

कलेक्टर श्री सिंह के निर्देशों के अनुपालन में ग्राम पंचायतों में उक्त कार्य शिविरों की तर्ज पर क्रियान्वित किया जा रहा है। इन कामों जायजा लिया जा रहा है। इसी कड़ी के तहत आज बासौदा अनुविभागीय राजस्व अधिकारी एसडीएम श्री विजय राय तथा अतिरिक्त तहसीलदार श्रीमती सविता पटेल ने आज राजस्व महाभियान 2.0 के अंतर्गत तहसील बासौदा के ग्राम, ऊहर, मालीखेडी, अंबानगर, मेहमूदा ग्राम में संचालित ई-केवायसी एवं नक्शा तरमीम के कैंपों का औचक निरीक्षण किया है। जिसमें ग्राम पटवारी, पंचायत सचिव एवं जीआरएस उपस्थित पाए गए।

त्यौहार को देखते हुए खाद्य सुरक्षा प्रशासन की कार्यवाही

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

आगामी त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा जिले के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कार्य जारी है। खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम ने आज विदिशा नगर के प्रेमी नमकीन स्वर्णकार कॉलोनी विदिशा से मिल्क केक का सैंपल एवं मधुबन स्वीट्स किरी मोहल्ला विदिशा से मावा का सैंपल एकत्रित किया। उक्त सभी सैम्पल जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला को भेजे गये हैं। जिनकी जांच रिपोर्ट आने पर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। सभी खाद्य कारोबारकर्ता मिठाई विक्रेता को सख्त निर्देश दिए गए हैं की मिठाई को ढंककर रखें, साफ सफाई बनाए रखें। गंदगी पाई जाने पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। सभी खाद्य कारोबारकर्ता (दूध विक्रेता, डेयरी संचालक, दूध एवं दूध पदार्थ का परिवहन करने वाले, किराना व्यापारी, फल सब्जी विक्रेता, खाद्य पदार्थ थोक विक्रेता, फुटकर विक्रेता, चाय नाश्ता की दुकान, हॉकर, आदि) को खाद्य लाइसेंस, पंजीयन लेना अनिवार्य है। बिना खाद्य लाइसेंस, पंजीयन के व्यापार करना अपराध है।

सिरोंज में जाँच के नाम पर खानापूर्ति - सिरोंज में जाँच के नाम पर खानापूर्ति ही दिखाई देती है या तो अधिकारी जाँच करने ही नहीं आते और अगर जाँच भी की जाती है तो एक-दो दुकानों की बाकि दुकानदार खबर लगते ही अपनी-अपनी दुकाने बंद करके गायब हो जाते है, सिरोंज में दुकानों पर आज भी धड़ल्ले से खुला तेल बेंचा जा रहा है जिसकी कंपनी का भी पता नहीं होता परन्तु इन पर आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई।

मेट्रो एंकर | आशाओं कार्यकर्ताओं के माध्यम से घर-घर सर्वे कराया

संपूर्णता अभियान और मधुमेह निश्चय अभियान के क्रियान्वयन हेतु बैठक आयोजित कर दिए निर्देश

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

संपूर्णता अभियान आकांक्षी जिला विदिशा के साथ-साथ गंजबासौदा ब्लॉक को भी आकांक्षी ब्लॉक की श्रेणी में सम्मिलित किया गया है। आकांक्षी जिला एवं ब्लॉक को उनकी श्रेणी से ऊपर लाने की दिशा में कार्य करने के तौर तरीकों पर चर्चा हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ योगेश तिवारी के निर्देशन में आज आशा सुपरवाइजर एवं एएनएम को संपूर्णता अभियान एवं मधुमेह निश्चय अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। बैठक में बताया गया कि जिले में जितनी भी गर्भवती माताएं हैं आशाओं के माध्यम से घर-घर सर्वे कराया जाकर 3 माह अवधि के अंदर उनका पंजीयन अनिवार्य रूप से होकर प्रथम जांच का कार्य किया जाए। शत प्रतिशत गर्भवतियों की चार जांच उनका टीकाकरण एवं एक वर्ष के अन्दर बच्चों का पूर्ण टीकाकरण होना अति आवश्यक है। साथ ही 30 वर्ष से ऊपर के सभी महिला-पुरुषों का ब्लड प्रेशर एवं शुगर की जांच कर उनको उचित स्वास्थ्य शिक्षा एवं उपचार दिया जाए। इसके लिए सभी आशाओं को जागरूक करें। क्षेत्र में प्रभाव शाली व्यक्तियों की बैठक कर उनका सहयोग करें मदर मीटिंग, सास बहू सम्मेलन करें ताकि संपूर्णता अभियान का सफल क्रियान्वयन हो सके।

इसी के साथ 15 अगस्त 2024 से प्रारंभ मधुमेह निश्चय अभियान के बारे में भी जिला छह अधिकारी डॉक्टर समीर किरार ने बताया गया कि मधुमेह रोगियों का घर-घर सर्वे कराया जाए एवं जो भी व्यक्ति मधुमेह से पीड़ित पाया जाए उन सभी व्यक्तियों की क्षय रोग की जांच कराई जाएगी। यह कार्य अभियान के रूप में एक माह तक संचालित किया जाएगा।

उक्त अवधि में सभी मधुमेह रोगियों की छह रोग की जांच करना आवश्यक है अतः सभी इस कार्य को प्राथमिकता के साथ कराएं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ योगेश तिवारी ने सभी अधिकारी, कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कर शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति करें।

दिल की बीमारियों का फैमिली हिस्ट्री से कनेक्शन होता है. अगर परिवार में किसी को हार्ट डिजीज है तो अगली पीढ़ी में भी ट्रांसफर हो सकती है. इससे बचने के लिए समय पर कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए. बच्चों को उनके माता-पिता से कुछ बीमारियां विरासत में मिल सकती हैं. इनमें हार्ट डिजीज भी शामिल हैं. हार्ट एक्सपर्ट्स का मानना है कि कई बीमारियां फैमिली हिस्ट्री पर निर्भर करती हैं. अगर समय रहते इन पर ध्यान दे दिया जाए तो भविष्य की कई परेशानियों से बचा जा सकता है.

फैमिली में यदि किसी को दिल की बीमारी है तो आप हार्ट डिसीज से बच सकते हैं!

माता-पिता को दिल की बीमारी है तो आपमें भी आएगी ही आएगी

माता-पिता की बीमारियां बच्चों में आए, इससे पहले ही जोखिम को कम किया जा सकता है. हार्ट की बीमारियां बच्चों में रोकने के लिए कई दवाईयां हैं. लाइफस्टाइल में बदलाव कर खतरे से बचा जा सकता है. जैसे हाइपरटेंशन की अगर सही समय पर जांच शुरू हो जाए, ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल में रखे तो कई बीमारियों को रोका जा सकता है.

लाइफस्टाइल और खानपान सही रखने से हार्ट की जांच की जरूरत नहीं

डॉक्टरों का कहना है कि अगर माता-पिता को कोरोनरी धमनी की बीमारी रही हो या हार्ट अटैक जैसा रिस्क रहा हो तो शुरुआत से ही दवाईयां लेकर उससे बच सकते हैं. इसके अलावा समय-समय पर जांच करवाते रहना चाहिए. इन बीमारियों से बचने के लिए हार्ट की जांच बेहद जरूरी होता है. इसके अलावा पर्याप्त एक्सरसाइज, धूम्रपान छोड़कर,सही खानपान, पर्याप्त नींद से हार्ट की बीमारियां रोकी जा सकती हैं.

दिल की बीमारियों का फैमिली हिस्ट्री से कनेक्शन है: हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, हार्ट की कुछ बीमारियां पीढ़ी दर पीढ़ी चल सकती हैं. इनमें हाइपरटेंशन यानी हाई ब्लड प्रेशर, लिपिड यानी कोलेस्ट्रॉल की बढ़ी मात्रा, कोरोनरी धमनियों से जुड़े रोग, हाइपरट्रॉफिक ऑब्सट्रक्टिव कार्डियो मायोपैथी शामिल है. हालांकि, ये जरूरी नहीं होता है. अगर लाइफस्टाइल और खानपान शुरू से सही रखा जाए तो इन बीमारियों को रोका भी जा सकता है.

यूरोपा लीग क्वालीफाइंग मैच: 17 साल पुराना रेकॉर्ड टूटा

शूटआउट में लगे रेकॉर्ड 34 पेनल्टी किक

एम्सटर्डम. एजेंसी

यूरोपा लीग क्वालीफाइंग मुकाबले में नीदरलैंड्स के प्रतिष्ठित क्लब अजाक्स एफसी और यूनान के क्लब पैनाथिनाइकोस के बीच मैराथन पेनल्टी शूटआउट देखने को मिला। क्वालीफाइंग राउंड के दूसरे चरण के मैच में अजाक्स ने हालांकि पैनाथिनाइकोस को शूटआउट में 13-12 से हरा दिया, लेकिन इसके लिए 34 पेनल्टी किक लेनी पड़ी। यूरोपियन फुटबॉल में पेनल्टी किक का यह नया रेकॉर्ड है। दोनों चरण के मैच और अतिरिक्त समय के बाद अजाक्स और पैराथिनाइकोस 1-1 के कुल स्कोर के साथ बराबरी पर थे। जिसके बाद पेनल्टी का सहारा लिया गया। गत सप्ताह अजाक्स ने यूनानी क्लब पैनाथिनाइकोस को उसके घर में 1-0 से हराया था, लेकिन दूसरे चरण में डच क्लब को अपने घर में गोल खाना पड़ा। टेटे ने 89वें मिनट में गोल कर पैनाथनाइकोस को 1-1 से बराबरी दिला दी। अतिरिक्त समय में गोल नहीं होने के बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लेना पड़ा। इस मैच ने 2007 में यूरोपीय अंडर-21 चैंपियनशिप सेमीफाइनल का 32 पेनल्टी किक का रेकॉर्ड तोड़ दिया। तब नीदरलैंड्स ने इंग्लैंड को 13-12 से

पहले ऐसा रोमांच महसूस नहीं किया

गोलकीपर रेमको ने कहा कि मैं कभी-कभी एक पेनल्टी बचाता हूं, लेकिन यहां मैंने पांच गोल बचाए। ऐसा रोमांच कभी महसूस नहीं किया। यह जीत बेहद खास है। इस तरह के परिणाम बहुत कम देखने को मिलते हैं।

गोलकीपर रेमको पासवीर बने हीरो

एजाक्स के गोलकीपर रेमको पासवीर मैच के हीरो रहे, जिन्होंने पांच गोल बचाए और अपनी बारी आने पर सटीक शॉट लगाकर गोल दागा। अजाक्स के ब्रायन ब्रॉबी ने दो पेनल्टी मिस की। डिफेंडर एंटोन गाई ने अजाक्स के लिए विजयी पेनल्टी किक लगाया।

सिनसिनाटी ओपन: ज्वेरेव ने इस सीजन में 50वीं जीत दर्ज की

सिनसिनाटी. एजेंसी

जर्मन टेनिस खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने यहां सिनसिनाटी ओपन टूर्नामेंट में कारेन खचानोव को हरा कर इस सीजन अपनी 50वीं जीत दर्ज की। ज्वेरेव इस सीजन 50 मैच जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने खचानोव को 6-3, 6-2 से हराया। जर्मन खिलाड़ी ने पूरे 78 मिनट अपना दबदबा बनाए रखा। यह सात मैचों में ज्वेरेव की खचानोव पर 5वीं जीत थी। जेनिक सिनर इस सीजन 45 जीत के साथ दूसरे नंबर पर हैं। महिला एकल में गत चैंपियन अमरीका की कोको गॉफ को पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा।

अफ्रीका ने 40 रन से जीता दूसरा टेस्ट

गयाना. एजेंसी

साउथ अफ्रीका ने टेस्ट सीरीज के आखिरी मुकाबले में वेस्टइंडीज को 40 रन से हर दिया। अफ्रीका ने सीरीज 1-0 से जीत ली है। साउथ अफ्रीका की वेस्टइंडीज पर यह लगातार 10वीं टेस्ट सीरीज जीत है। स्पिनर केशव महाराज प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे। उन्होंने 13 विकेट लिए। इस जीत से साउथ अफ्रीका वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 की पॉइंट्स टेबल के 5वें नंबर पर आ गई है।

2030 यूथ ओलंपिक में जुड़ सकता है क्रिकेट, आईसीसी के जीएम बोले-

क्रिकेट को जगह मिलनी चाहिए भारत मेजबानी के लिए तैयार

दुबई, एजेंसी

लॉस एंजिलिस ओलंपिक में शामिल होने के बाद क्रिकेट 2030 के यूथ ओलिंपिक गेम्स में भी शामिल हो सकता है। क्रिकेट को यूथ गेम्स का हिस्सा बनाने के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी के साथ मिलकर काम करने के संकेत दिए हैं। हाल ही में भारत ने यूथ ओलिंपिक गेम्स-2030 की मेजबानी पर रूचि जाहिर की थी। ऐसे में आईसीसी की पहल के बाद क्रिकेट के यूथ गेम्स में शामिल होने की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

आईसीसी के डेवलपमेंट तरू विलियम ग्लेनराइट ने विवेक गोपालन को भेजे गए एक ईमेल के जवाब में लिखा, यह एक अच्छा विचार है और हम इस पर विचार कर सकते हैं। गोपालन के ईमेल और ग्लेनराइट के जवाब की कापी आईसीसी के सीईओ ज्योफ एलार्डिस, वसीम खान, क्लेयर फरलोंग और क्रिस टेटली को भी भेजी गई है। गोपालन ने तर्क दिया है कि यूथ खेलों में क्रिकेट के लिए एक मजबूत दावेदारी है, क्योंकि मुंबई 2030 यूथ ओलिंपिक गेम्स की मेजबानी के लिए बोली लगा रहा है।

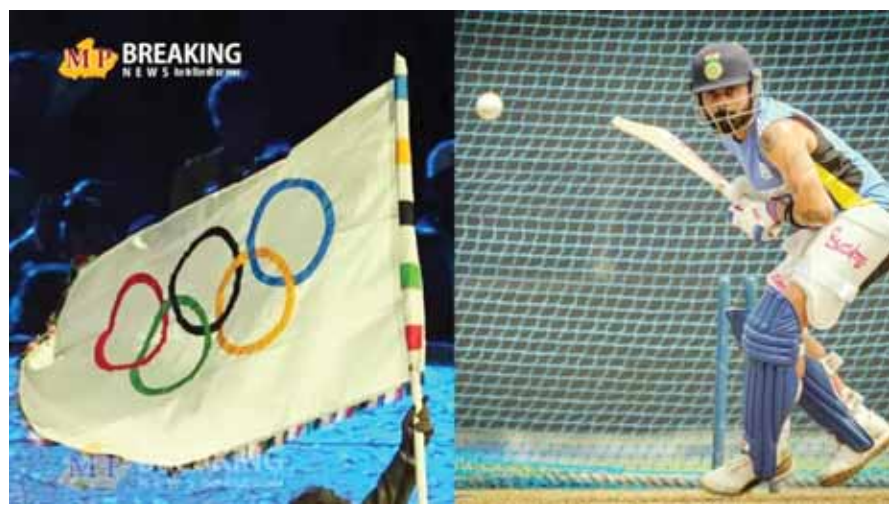

10 महीने पहले 2028 ओलिंपिक में मिली जगह

10 महीने पहले क्रिकेट को लॉस एंजिलिस ओलिंपिक 2028 में क्रिकेट भी शामिल किया गया था। इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी (आईओसी) अध्यक्ष थॉमस बाक ने मुंबई में एक बैठक में इस पर अंतिम फैसला लिया था। इससे पहले क्रिकेट 1900 के पेरिस ओलिंपिक में खेला गया था। तब ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस ने गोल्ड मेडल के लिए सिर्फ एक टेस्ट मैच खेला था, जिसमें ग्रेट ब्रिटेन की टीम 158 रन से जीत गई थी। क्रिकेट कॉमनवेल्थ गेम्स में भी 2 बार 1998 और 2022 में शामिल किया गया है। वहीं एशियन गेम्स में 2010, 2014 और 2023 में तीन बार क्रिकेट को जगह मिली।

...तो भारत के गोल्ड जीतने की उम्मीदें मजबूत

यदि क्रिकेट यूथ ओलिंपिक गेम्स में शामिल हो जाता है, तो भारत के गोल्ड जीतने की उम्मीदें बढ़ जाएंगीं, क्योंकि पहले साल भारतीय महिला और पुरुष टीमों ने एशियन गेम्स 2023 के दोनों गोल्ड मेडल जीते थे। भारतीय मेंस और विमेंस टीमों ने पहली बार एशियन गेम्स के क्रिकेट टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था।

टी-20 विश्व कप की मेजबानी जिम्बाब्वे करना चाहता है

हरारे. एजेंसी। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने महिला टी-20 विश्व कप की मेजबानी करने की इच्छा व्यक्त की है। जिम्बाब्वे ने पिछले दो वनडे विश्व कप क्वालीफायर की सफलतापूर्वक मेजबानी की है और उनके दो नए स्टेडियम निर्माणाधीन हैं। इसी कारण से जिम्बाब्वे इस टूर्नामेंट की मेजबानी में अधिक दिलचस्पी ले रहा है। बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के कारण विश्व कप को शिफ्ट किया जा सकता है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

'द गुड हाफ' के लिए प्रियंका ने की थी पति की मदद

निक जोनस ने पत्नी प्रियंका चौपड़ा को बताया बढ़िया सीन पार्टनर

अपनी नई फिल्म द गुड हाफ के लिए निक जोनस ने घर पर प्रियंका चोपड़ा से मदद ली थी। उन्होंने अपनी पत्नी को बढ़िया सीन पार्टनर बताया है। मशहूर गायक निक जोनस जल्द ही द गुड हाफ फिल्म में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म के जरिए निक पहली बार मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे। इस फिल्म की तैयारी करने के दौरान निक जोनस को अपनी पत्नी और अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा का बखूबी साथ मिला। एक हालिया साक्षात्कार में उन्होंने बताया कि आखिर किस तरह से प्रियंका ने उनकी मदद की। निक जोनस ने अपने घर में द गुड हाफ के सीन पर काम किया था। ई! न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने बताया कि उन्हें अपने घर पर प्रियंका चोपड़ा के रूप में एक बढ़िया सीन पार्टनर मिल गई है। प्रियंका की तारीफ करने में निक यही नहीं रूके। उन्होंने कहा कि बढ़िया सीन पार्टनर से उनका मतलब विश्व स्तरीय से है।

किरदारों के बारे में बात करते थे निक और प्रियंका

निक ने कहा कि घर में रहकर रचनात्मक बने रहना काफी अच्छा होता है। उन्होंने बताया कि वो और प्रियंका फिल्म के किरदारों के बारे में बात किया करते थे। निक ने कहा कि उन्हें द गुड हाफ की कहानी काफी पसंद आई थी। उन्होंने कहा कि फिल्म की कहानी गंभीर विषय पर आधारित है और साथ ही मजेदार भी है। द गुड हाफ का निर्देशन रॉबर्ट श्वार्टजमैन ने किया है। यह एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म है। इसमें निक जोनस के साथ-साथ डेविड आर्क्वेट, मैट वॉल्श, एलिजाबेथ शू, ब्रिटनी स्नो और एलेक्जेंड्रा शिप ने भी काम किया है। वहीं, प्रियंका चोपड़ा की बात करें तो वो जल्द ही द ब्लफ और हेड्स ऑफ स्टेट में नजर आएंगी। इन दिनों वो वेब सीरीज सिटाडेल 2 पर काम कर रही हैं।

मुन्ना भाई MBBS के वक्त थिएटर्स खाली थे

विधु विनोद बोले- हिरानी का दिल टूट गया, उन्हें लगा पैसे डूब गए

फिल्म मुन्ना भाई एमबीबीएस एक बड़ी हिट थी। रिलीज के 26वें हफ्ते में भी फिल्म पूरे भारत में 300 स्क्रीन्स पर चल रही थी, लेकिन रिलीज के पहले दिन पूरा थिएटर खाली था। रिलीज के एक हफ्ते बाद भी सिनेमाघरों में दर्शकों की बिल्कुल भीड़ नहीं थी। इस वजह से मेकर्स को लग रहा था कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर पिट जाएगी। हाल ही में एक इंटरव्यू में विधु विनोद चोपड़ा ने 2003 की फिल्म मुन्ना भाई एमबीबीएस पर रिएक्शन दिया है। उन्होंने कहा- मुन्ना भाई एमबीबीएस खाली थिएटर में रिलीज हुई। राजू (राजकुमार हिरानी) यह सोचकर बहुत परेशान थे कि मैंने बहुत सारा पैसा डूबा दिया है। उस वक्त मैंने राजू को 11 हजार रुपए दिए। यह पैसे देने के बाद मैंने राजू से कहा- मैं कुछ नहीं लूंगा और यह अगली फिल्म के लिए है। एक और फिल्म बनाओ। यह एक बेहतरीन फिल्म है। उस वक्त हमारे पास करीब 4 करोड़ रुपए थे। मैं एक और फिल्म बनाना चाहता था। मुझे परवाह नहीं थी कि मुन्ना भाई चलेगी या नहीं। हालांकि सोमवार के बाद फिल्म ने रफ्तार पकड़नी शुरू कर दी थी, लेकिन वीकेंड के दौरान सीटें खाली रहीं। मैंने वास्तव में दूसरी फिल्म बनाने के लिए फिल्म के सफल होने का इंतजार नहीं किया। इससे पहले, केलॉग स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के एक इवेंट के दौरान राजकुमार हिरानी ने खुलासा किया था कि कोई भी डिस्ट्रीब्यूटर फिल्म के राइट्स खरीदने को तैयार नहीं था। बाद में किसी तरह तमिलनाडु के एक डिस्ट्रीब्यूटर राइट्स खरीदने को तैयार हुए। हालांकि बाद में उन्होंने भी मुंह मोड़ लिया। मुन्ना भाई एमबीबीएस संजय दत्त के पिता सुनील दत्त की आखिरी रिलीज फिल्म थी। फिल्म का दूसरा लगे रहो मुन्ना भाई 2006 में रिलीज हुआ था।

'जीरो' फ्लॉप होने के बाद ये फैसला लिया था

जब एक्टर शाहरुख खान ने बोला था मैं अब काम नहीं करना चाहता...

शाहरुख खान फिल्म जीरो की रिलीज के तुरंत बाद राकेश शर्मा की बायोपिक सारे जहां से अच्छा में काम करने वाले थे। लेकिन आखिरी समय में उन्होंने काम करने से मना कर दिया था। यह फैसला उन्होंने जीरो के फ्लॉप होने के तुरंत बाद लिया था। बता दें, फिल्म सारे जहां से अच्छा को महेश मथाई डायरेक्ट करने वाले थे और सिद्धार्थ रॉय कपूर प्रोड्यूस कर रहे थे। एक इंटरव्यू में शाहरुख ने कहा, 'मैंने प्रोड्यूसर को फोन किया और कहा कि मैं एक साल तक काम नहीं करना चाहता। इस पर मेकर्स ने कहा- यह संभव नहीं है। आप एक मिनट भी काम किए बिना नहीं बैठ सकते। अगर आपको फिल्म पसंद नहीं आई तो आप यह बताइए, लेकिन यह मत कहिए कि आप एक साल तक काम नहीं करेंगे। एक्टर ने कहा- उस वक्त मैं एक्टिंग नहीं करना चाहता था। एक्टिंग करने का मेरा बिल्कुल भी मन नहीं था और मैं बिना मन के एक्टिंग नहीं कर सकता था।इसके अलावा शाहरुख ने स्वीकार किया कि उनका ये फैसला 'अनप्रोफेशनल' था। उन्होंने कहा, ''मैंने हमेशा कहा है कि जिस दिन मुझे शूट पर जाने का मन नहीं होता, मैं काम नहीं करूंगा। इससे फिल्म की सफलता-असफलता से लेना-देना नहीं था बल्कि मेरी खुद की मानसिक स्थिति का मामला था।'' शाहरुख का कहना था कि उन्होंने बस सुबह उठकर महसूस किया कि उन्हें शूटिंग के लिए नहीं जाना चाहिए और इसी वजह से उन्होंने फिल्म छोड़ दी। हालांकि शाहरुख के इस कदम की आलोचना भी की गई लेकिन उन्होंने अपनी भावनाओं और निर्णय को साफ तौर से साझा किया। इसके बाद शाहरुख ने अपनी अगली फिल्म की तैयारी की और अपने दर्शकों को नए प्रोजेक्ट से चौंकाया। शाहरुख ने आगे कहा- मैंने हमेशा कहा है कि जिस दिन मेरा सुबह उठने और शूटिंग पर जाने का मन नहीं करता, मैं काम नहीं करना चाहता। यह बहुत अनप्रोफेशनल है। मैं सोकर उठा और कहा- मैं जाकर फिल्म सारे जहां से अच्छा की शूटिंग नहीं करना चाहता।

फिल्म किंग में नजर आएंगे शाहरुख

शाहरुख खान के अपकमिंग प्रोजेक्ट की बात करें तो वे आने वाले समय में सुजॉय घोष की फिल्म किंग में नजर आएंगे।

'बीना त्रिपाठी' के रोल को पसंद करने पर दर्शकों की आभारी हैं अभिनेत्री

रसिका, बोलीं- काम लोगों तक पहुंचा

रसिका दुग्गल ने वेब सीरीज मिर्जापुर 3 में भी बीना त्रिपाठी के किरदार से खूब धमाल मचाया है। सीरीज में उनका किरदार बेहद अलग था। हालांकि, अब अभिनेत्री का कहना है कि वह फिल्मों और वेब सीरीज में रो-रोकर थक गई हैं। अभिनेत्री ने बताया कि जो भी स्क्रिप्ट ऑफर की जाती है, उसमें कम से कम दो सीन थे, जिनमें वह रो रही थीं। हाल ही में एक इंटरव्यू में रसिका दुग्गल ने बताया कि अब एक जैसे किरदार निभाने के बाद उन्होंने राहत की सांस ली है क्योंकि लेखक अब उनके लिए अलग-अलग स्क्रिप्ट लिख रहे हैं। अभिनेत्री ने कहा कि एक समय था, जब वह एक स्क्रिप्ट को पीछे से पढ़ सकती थीं और आखिर के 10 मिनट में कम से कम दो रोने के सीन होते थे। वह मिर्जापुर के बाद से उनके लिए लिखे गए किरदारों में बदलाव के लिए आभारी हैं, जिसमें उन्हें एक घातक महिला के रूप में चित्रित किया गया था। रसिका अपने करियर में उछाल का श्रेय ओटीटी बूम को देती हैं। उन्होंने बताया कि स्ट्रीमिंग सेवाओं की वजह से ही उन्हें बहुत सारा काम मिलने लगा और उनका बहुत सारा काम दर्शकों तक पहुंचा। अभिनेत्री ने कहा, सही बताऊं तो स्ट्रीमिंग सेवाएं मेरे लिए जीवन का एक पट्टा हैं क्योंकि ऐसी कई फिल्में थीं जो मैंने की थीं, लेकिन उन्हें उस तरह की रिलीज नहीं मिली जिसकी वे हकदार थीं। कई छोटी फिल्में थीं। हालांकि, बाद में मुझे बहुत काम मिला और मिर्जापुर जैसे शो के जरिए मुझे बड़े दर्शकों तक पहुंचने का मौका मिला। यह तब था जब मुझे लगा कि स्ट्रीमिंग सेवाएं छोटी फिल्मों के लिए दर्शक पाने का एक स्थान हैं।

अयोध्या नगर में हुई चोरी का मिला सुराग

लूटपाट के मामले में संदेही जीजा-साले से हुई पूछताछ

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बागसेवनिया इलाके में कट्टा अड़ाकर ज्वैलर्स दुकान में लूटपाट करने वाले संदेही जीजा-साले से पूछताछ की जा रही है। जेवरात बरामद होने के बाद पुलिस इस मामले का खुलासा करेगी। इधर, अयोध्या नगर में ज्वैलर्स की दुकान से लाखों के जेवरात चोरी करने वाले बदमाशों के बारे में भी पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिल गए हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगाई गई हैं।

जानकारी के अनुसार रचना नगर निवासी मनोज चौहान बागसेवनिया स्थित कृष्णा आर्केट के पास ज्वैलर्स की दुकान चलाते हैं। बीती 13 अगस्त की रात करीब दस बजे वह दुकान बंद करने की तैयारी कर रहे थे, तभी हेलमेट पहने दो युवक दुकान के अंदर पहुंचे। उन्होंने मनोज को कट्टा अड़ाया और दराज में रखे 35 हजार रुपए नकदी तथा सोने-चांदी के जेवरात लूटकर भाग निकले।

पुलिस ने बदमाशों की गिरफ्तारी पर 30 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। घटनास्थल और आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखने के बाद संदेही जीजा-साले को हिरासत में लिया गया है। दोनों से पूछताछ कर वारदात का पता लगाने के साथ ही माल बरामद करने की कोशिश की जा रही है। बताया जाता है कि दोनों युवक रायसेन के रहने वाले हैं और पिछले कुछ महीनों से बागसेवनिया इलाके में ही किराए से रहकर दुकानों की रैकी कर रहे थे। हालांकि पुलिस का कहना है कि इस मामले में अभी किसी की गिरफ्तारी नहीं की गई है। संदेहियों के बारे में मिली सटीक सूचना पर काम किया जा रहा है और जल्द ही खुलासा कर दिया जाएगा।

स्कार्पियो सवार बदमाशों का मिला सुराग

इधर, अयोध्या नगर डी-सेक्टर स्थित ज्वैलर्स दुकान का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम देने वाले आधा दर्जन से ज्यादा स्कार्पियो सवार बदमाशों के बारे में पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिला है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए अल-अलग टीमें लगाई गई हैं। कुछ टीमों को शहर के बाहर भी भेजा गया है। ज्ञात हो कि गुरुवार-शुक्रवार की रात करीब ढाई बजे बदमाशों ने विकास जैन की ज्वैलर्स दुकान के चैनल गेट के चार ताले काटने के बाद शटर उचकाया और कांच का गेट तोड़कर भीतर घुसे। उसके बाद करीब तीन लाख रुपए के जेवरात चोरी कर भाग निकले। घटना के दौरान विकास ने शोर मचाया तो बदमाशों ने उन पर पत्थर भी फेंके थे।

रेंट वेरिफिकेशन के बिना रहने वालों पर होगी बीएनएस 223 की कार्रवाई

किराए से रहने वालों को 15 दिन में पुलिस को देना होगा अपना ब्यौरा

पुलिस आयुक्त ने जारी किए आदेश, हॉस्टल, होटल, लॉज, निर्माण कार्य में लगे मजदूर, सभी का देना होगा ब्यौरा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति को अब वेरिफिकेशन कराना होगा। किराएदार बिना रेंट वेरिफिकेशन के नहीं रह सकेंगे। इसके अलावा हॉस्टल, होटल, लॉज और निर्माणाधीन मल्टियों में काम करने वाले मजदूर ठेकेदार को अपना ब्यौरा अपने नजदीकी थाने को देना होगा। इसके अलावा ट्रैवल्स कंपनी किसी को वाहन किराए पर देती है तो उसका ब्यौरा भी देना होगा। यह आदेश पुलिस आयुक्त हरिनारायण चारी मिश्र ने जारी किया। उन्होंने कहा कि आज से एक सप्ताह के अंदर किराएदार, पेइंगगेस्ट, हॉस्टल में रहने वाले छात्र छात्र, घरों में रहने वाले नौकर नौकरानी की जानकारी निश्चित प्रारूप में पुलिस प्रशासन को देनी होगी।

आदेश में आयुक्त ने कहा राजधानी में विभिन्न दृष्टिकोण से अत्यंत संवेदनशील है। भोपाल शहर में स्थित विभिन्न सुरक्षा श्रेणी प्राप्त वीआईपी एवं यहां स्थित विभिन्न वाईटल इंस्टालेशन की सुरक्षा किया जाना अत्यंत आवश्यक है। जिसके लिए इस शहर में आने-जाने वाले, अस्थायी निवासरत व्यक्तियों की जानकारी होना जरूरी है। जिसके लिए भोपाल शहर स्थित आवासों में किराए से एवं पेइंगगेस्ट के रूप में रहने वाले व्यक्तियों तथा यहां पर आवासरत लोगो के घरों में काम करने वाले नौकर-चाकर, छात्रावास में रह रहे छात्र-छात्राओं एवं अन्य निवास की जगहों पर रहने वाले व्यक्तियों की जानकारी पुलिस प्रशासन को होना आवश्यक है। साथ ही भोपाल शहर में आने जाने वाले मुसाफिरों जो कि शहर के विभिन्न होटल, लॉज, धर्मशाला, रिसोर्ट, गेस्ट हाउस जैसे प्रतिष्ठानों में ठहरते है इनकी जानकारी निर्धारित प्रोफामार्नुसार संधारित की जाना आवश्यक है।

नहीं तो बीएनएस की धारा 223 की कार्रवाई

यह आदेश भोपाल शहर में रह रहे प्रत्येक नागरिक को व्यक्तिश-तामील कराया जाना संभव नहीं है अत-सार्वजनिक माध्यमों, इलेक्ट्रानिक मीडिया, समाचार पत्रों के माध्यम से यह आदेश सर्व साधारण को अवगत कराया जा रहा है । आदेश जारी दिनांक से आगामी दो माह तक प्रभावशील रहेगा। उपरोक्त आदेश का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी।

इन नियमों का करना होगा पालन

- कोई भी मकान मालिक जो अपना मकान या उसका कोई हिस्सा किराए पर देते है तो वह ऐसा करने के एक सप्ताह के भीतर किरायेदार अथवा पेइंगगेस्ट का विवरण निर्धारित प्रारूप में भरकर संबंधित थाने पर या मध्यप्रदेश पुलिस सिटिजन पोर्टल पर आवश्यक रूप से देगे ।
- पूर्व से रह रहे किरायेदार या नौकर का विवरण भी निर्धारित प्रारूप में भरकर यह आदेश जारी होने की दिनांक से 15 दिवस के भीतर में संबंधित थाने पर या मध्यप्रदेश पुलिस सिटिजन पोर्टल पर आवश्यक रूप से देगे ।
- किसी भी व्यक्ति का घरेलू नौकर या उनका सहायक का विवरण निर्धारित प्रारूप में आवश्यक रूप से संबंधित थाने पर या मध्यप्रदेश पुलिस सिटिजन पोर्टल पर देगे ।
- होटल, लॉज, धर्मशाला, रिसोर्ट के प्रबंधक, मालिक उनके यहां ठहरने वाले व्यक्तियों का व्यक्तिगत विवरण पूर्ण रूप से रजिस्ट्रर में दर्ज करेंगें व इसकी जानकारी निर्धारित प्रारूप में आवश्यक रूप से संबंधित थाने पर जो भी स्थानीय स्तर पर प्रक्रिया निर्धारित की जाये उस अनुसार देगे ।
- छात्रावास संचालक छात्रावास में रह रहे छात्र, छात्राओं का विवरण निर्धारित प्रारूप में आवश्यक रूप से संबंधित थाने पर देगे ।
- ठेकेदार, भवन निर्माणकर्ता निर्माण कार्य में लगे मजदूर/कारीगरों का विवरण निर्धारित प्रारूप में आवश्यक रूप से संबंधित थाने पर देगे ।
- कोई भी ट्रेवल्स एजेंसी अपने वाहन को किसी को भी किराये पर देने के पूर्व उसकी पहचान की तस्दीक कर लेवें इस पहचान पत्र की छायाप्रति अपने पास संधारित करेंगें एवं आवश्यक पहचान स्थापित होने के बाद ही वाहन दिया जावे।

भोपाल। दुर्गा नगर में सावन पर शिवलिंग निर्माण एवं प्राण प्रतिष्ठा समापन हुआ।

बंदी का पीआर लेकर बरामद किया 5 लाख का माल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आरोपी के दो अन्य साथियों की गिरफ्तारी के प्रयास

कटारा हिल्स पुलिस ने जेल बंदी की पुलिस रिमांड लेकर पूछताछ की और उसकी निशानदेही पर पल्सर बाइक समेत करीब पांच लाख रुपए के जेवरात बरामद किए। आरोपी ने अपने दो अन्य साथियों की मदद से कटारा हिल्स स्थित एक मकान में नकबजनी की घटना को अंजाम दिया था। उसके दोनों साथियों की तलाश की जा रही है। पुलिस के मुताबिक फरियादी संगीता माकोड़े संत आसाराम नगर फेस-3 कटारा हिल्स में रहती हैं। बदमाशों ने दिनदहाड़े उनके घर का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात और पल्सर बाइक चोरी की थी। जांच के दौरान पता चला कि कोहेफिजा थाना क्षेत्र में हुई एक मंदिर की चोरी के मामले में क्राइम ब्रांच ने बहादुर सिंह दांगी नामक बदमाश को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। उसके पास से कुछ जेवरात बरामद हुए थे। यह जेवरात संगीता को दिखाए गए तो उन्होंने अपने बताते हुए घटना वाले दिन चोरी होना बताया। उसके बाद पुलिस ने बहादुर सिंह दांगी को न्यायालय के माध्यम से पूछताछ के लिए पीआर पर लिया। पूछताछ के दौरान बहादुर की निशानदेही पर बजाज पल्सर बाइक, एक सोने का मंगलसूत्र, एक सोने की चेन, एक जोड़ सोने के कान के टाप्स, 2 सोने की अंगूठी, एक जोड़ चांदी की पायल, 2 जोड़ चांदी के बिछिया, एक चांदी की गणेशजी की मूर्ति, एक चांदी की लक्ष्मीजी की मूर्ति, 5 चांदी के सिक्के समेत कुल 5 लाख रुपए का माल बरामद किया है। आरोपी ने बताया कि उसने अपने साथी रोहित दांगी और सुमित गुर्जर के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस दोनों फरार आरोपियों की तलाश कर रही है।

लावारिस संपत्ति नीलाम करेगी क्राइम ब्रांच

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

क्राइम ब्रांच द्वारा जब्त किए गए लावारिस वाहन, जेवरात, लैपटाप और मोबाइल समेत अन्य संपत्ति को नीलाम किया जा रहा है। इसके लिए सार्वजनिक स्थानों पर उद्घोषणा चस्पा की जा रही है, ताकि किसी व्यक्ति का कोई सामान क्राइम ब्रांच के पास हो तो उसे प्राप्त कर सके। जानकारी के अनुसार क्राइम ब्रांच भोपाल में वर्षों से रखी लावारिस संपत्ति के निराकरण के लिए जिला न्यायालय भोपाल जेएमएफसी शरद जायसवाल द्वारा उद्घोषणा जारी की गई है। इसमें लगभग 50 वाहन, लगभग 80 सोने-चांदी के जेवरात एवं 70 नग लैपटाप मोबाइल हैं। न्यायालय द्वारा जप्त मोबाइल फोन और लैपटॉप के वास्तविक स्वामियों के नहीं मिलने के कारण संपत्ति का उचित निराकरण किया जा रहा है। उद्घोषणा प्रकाशन के लिए विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर पंचनामा तैयार कर आम जनता को सूचित किया जा रहा है। संपत्ति अगर कोई व्यक्ति दावा करना चाहता है तो वह क्राइम ब्रांच कार्यालय जाकर देख सकता है। बाद में संपत्ति की नीलामी की जाएगी और प्राप्त राशि को राजकोष में जमा किया जाएगा।

आठ दोपहिया वाहन ले उड़े बदमाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में वाहन चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही है। गत चौबीस घंटे के भीतर बदमाशों ने अलग-अलग इलाकों से आठ दोपहिया वाहन चोरी कर लिए. पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है, लेकिन एक भी वारदात के आरोपियों का सुराग नहीं लग सका है। जानकारी के अनुसार सुनील कुमार साहू भीम नगर में रहते हैं और इंटीरियर डेकोरेटर का काम करते हैं। गत दिवस वह हमीदिया अस्पताल में भर्ती अपने रिश्तेदार को देखने के लिए पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने अपनी बाइक ए-ब्ला के सामने पार्क की और अस्पताल के भीतर चले गए। कुछ देर बाद लौटे तो बाइक चोरी हो चुकी थी। आसपास तलाश करने पर भी जब बाइक का कुछ पता नहीं चला तो उन्होंने कोहेफिजा थाने जाकर चोरी की शिकायत दर्ज कराई। इसी प्रकार अरेरा कालोनी हबीबगंज से उदित परमार, टीआईटी कालेज पिपलानी से अशोक, ग्यारह मील मिसरोद से सूरज मालवीय, कोतवाली से अंकित सोमानी, कोलार रोड स्थित डीमार्ट पार्किंग से जयप्रकाश कुशवाह, लीलाधर कालोनी छोला मंदिर से सतेंद्र कुमार और सचिन जैन की मोटर सायकिल चोरी चली गई।

बुजुर्ग का मोबाइल लूटा, 6 दिन बाद एमपी नगर पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

भोपाल। एमपी नगर जोन क्रमांक-एक स्थित गायत्री मंदिर के पास मोबाइल पर बात करते जा रहे एक व्यक्ति का बाइक सवार तीन बदमाशों ने मोबाइल झपट लिया। वह शॉपिंग करने मॉल गए हुए थे। लौटते समय बदमाशों ने वारदात को अंजाम दे दिया। एमपी नगर पुलिस ने वारदात के छह दिन बाद लूट का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार अशोका गार्डन निवासी राजेश तमोली (55) प्राइवेट काम करते हैं। विगत 11 अगस्त की रात वह शॉपिंग करने एमपी नगर स्थित मॉल गए थे। रात करीब साढ़े 9 बजे पैदल लौटते समय किसी का कॉल आ गया। गायत्री मंदिर के पास वह मोबाइल पर बात करते हुए जा रहे थे। उसी दौरान पीछे से मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए तीन बदमाशों में से एक बदमाश ने उनका मोबाइल झपट लिया और फरार हो गए। मोबाइल की कीमत साढ़े 18 हजार रुपए बताई जा रही है।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले दो सौ पुलिस अधिकारी और कर्मचारी सम्मानित

भोपाल। नगरीय पुलिस भोपाल में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारी और कर्मचारी का शनिवार दोपहर पुलिस आयुक्त कार्यालय में सम्मान किया गया। सम्मान समारोह में पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र ने सभी अधिकारी, कर्मचारियों एवं पुलिस परिवार सहित शहरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। इसके बाद उत्कृष्ट कार्य करने वाले आरक्षक से लेकर एसीपी स्तर तक के लगभग 200 पुलिस अधिकारी, कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। साथ ही उनके कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में भोपाल पुलिस के जनसंपर्क अधिकारी नवीन वर्मा को भी सम्मानित किया गया। नवीन गत 10 वर्षों से भोपाल पुलिस का जनसंपर्क का कार्य संभाल रहे हैं। उन्होंने पुलिस और मीडिया के बीच बेहतर तालमेल कर पुलिस की उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

तेज रफ्तार बाइक खंभे से टकराई, युवक की मौत, दो साथी गंभीर

रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित झिरनिया में हुआ कल शाम हादसा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित गांव झिरनिया में कल शाम तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे लगे खंभे में घुस गई। इस हादसे में बाइक चला रहे युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक पर पीछे बैठे दो साथी गंभीर रूप से घायल हुए है। घायलों का हमीदिया अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार लखन कनकेरे पिता मुन्नालाल कनकेरे (23) कोलार इलाके में रहता था और करोंद में फलों का ठेला लगाता?था। अभी कुछ दिनों से वह दुकान नहीं लगा रहा था। लखन कोलार में रहने वाले अपने साथी श्रीराम और भूरा के साथ बाइक से सीहोर गया था। तीनों दोस्त एक ही बाइक पर थे। सीहोर से बिल्किसगंज होते हुए वह रातीबड़ पहुंच रहे थे। इससे पहले ही झिरनिया के पास बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे खंभे में जा घुसी। हादसा शनिवार शाम करीब साढ़े 3 बजे के आसपास हुआ। हादसे की सूचना राहगीरों ने तत्काल एंबुलेंस को की। एंबुलेंस मौके पर पहुंची और तीनों घायलों को अस्पताल ले गई। अस्पताल में पता चला कि लखन की मौत हो चुकी है।

ओवरस्पीड बनी हादसे का कारण: हादसे की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने कुछ लोगों से पूछताछ की थी। इसके अलावा निरीक्षण करने पर पता चला कि सरपट रोड पर टर्निंग पाइंट पर हादसा हुआ है। कुछ लोगों ने बताया कि बाइक सवार तीनों युवक काफी रफ्तार में थे और टर्निंग पाइंट पर उनकी बाइक टर्न नहीं हो सकी और सीधे खंभे में जा घुसी। बाइक खंभे में घुसने के कारण बाइक चला रहे लखन को सिर में और शरीर में गंभीर चोट आई थी।

मेट्रो एंकर | लोगों ने सरकार और पुलिस का सराहनीय कदम बताया

सभी जिलों में पुलिस बैंड ने प्रस्तुति देकर रचा इतिहास

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पुलिस बैंड की महत्ता पर बल देते हुए हर जिले में पुलिस बैंड की स्थापना और इसके लिए इच्छुक पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण देकर उन्हें बैंड में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए थे। एडीजी लॉ एंड ऑर्डर जयदीप प्रसाद ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश के सभी 55 जिलों में पुलिस बैंड द्वारा परेड में शामिल होकर देशप्रेम से ओतप्रोत धुनों की प्रस्तुति दी गई।

उल्लेखनीय है कि पुलिस बैंड की परेड में उपस्थिति से कार्यक्रम देखने आए दर्शक अत्यंत प्रसन्न, आकर्षित और रोमांचित नजर आए। सभी जिलों में पुलिस बैंड द्वारा परेड में शामिल होकर देशभक्ति से ओतप्रोत धुनों की प्रस्तुति दिए जाने की उपस्थितजन ने प्रशंसा की और इसे प्रदेश सरकार और मध्यप्रदेश पुलिस का सराहनीय कदम बताया। एक साथ सभी जिलों में प्रस्तुति की चुनौती पूर्ण पुलिस महानिदेशक सुधीर सक्सेना के प्रयासों से 10 जनवरी 2024 से प्रारंभ 6 माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मध्य प्रदेश विशेष सशस्त्र बल के ट्रेनिंग सेंटर सातवीं वाहिनी भोपाल में 100, प्रथम वाहिनी इंदौर में 107 तथा छठीं वाहिनी जबलपुर में 123 पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को बैंड वादन तथा वाद्ययंत्रों का सघन प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षित नवीन बैंड वादकों को जिला स्तरीय परेड के प्रशिक्षण के लिए एसटीसी बैंगलुरु से एडवांस बैंड कोर्स करके आए मध्यप्रदेश की विभिन्न बैंड इकाइयों के 19 अधिकारियों व कर्मचारियों को भी लगाया गया। इन सभी प्रशिक्षणार्थियों को 15 अगस्त को होने वाली जिलास्तरीय परेड के लिए जिलों में वितरित किया गया। इन 340 प्रशिक्षुओं में प्रदेश की सभी बटालियनों के पुलिसकर्मियों को सम्मिलित किया गया ताकि सभी इकाइयों में बैंड स्थापना के लक्ष्य को शीघ्र पूरा किया जा सके।

प्रशिक्षण पूर्ण होने के पश्चात इन प्रशिक्षित पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रदेश के 49 जिलों में 15 अगस्त 2024 की परेड को गौरवपूर्ण बनाने के लिए अपने-अपने जिलों में भेजा गया। मध्य प्रदेश में 6 जिलों में पूर्व से ही बैंड दल गठित है। इस प्रकार इस वर्ष प्रदेश के सभी 55 जिलों में बैंड दल के साथ स्वतंत्रता दिवस पर परेड संपन्न की गई।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022